Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 206 | मंगलवार, 04 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

प्रशांत किशोर ने बांकीपुर में बीजेपी के 35 साल के गढ़ को ध्वस्त किया, जन सुराज पार्टी की ऐतिहासिक जीत

वेलकम इंडिया नेटवर्क

पटना। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में जबरदस्त जीत हासिल की। इस सीट को भारतीय जनता पार्टी का गढ़ माना जाता था। किशोर ने विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी के नीरज कुमार को 18,000 से ज्यादा वोटों से हराया। इस हार से बीजेपी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि यह सीट पार्टी नेता नितिन नवीन का गढ़ रही है। सोमवार को किशोर ने अपनी पार्टी की पहली चुनावी जीत हासिल करके इतिहास रच दिया। उन्होंने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी को हराया और बिहार में उसके सबसे मजबूत गढ़ों में से एक पर पार्टी के लगातार 35 साल के कब्जे को खत्म कर दिया।

किशोर ने बीजेपी उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 18,953 वोटों से हराया। उन्हें 63,203 वोट मिले, जबकि सिन्हा को 44,250 वोट मिले। वहीं, आरजेडी की रेखा गुप्ता 14,085 वोटों के साथ काफी पीछे तीसरे स्थान पर रहीं। शुरूआती रुझानों में बढ़त बनाने के बाद किशोर ने अपनी बढ़त लगातार बढ़ाई और कुल 36 राउंड की गिनती में से 15वें राउंड तक उनकी जीत लगभग तय हो गई थी। बांकीपुर उपचुनाव की जरूरत तब पड़ी जब बीजेपी नेता नितिन नबीन के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हो गई; नबीन बाद में राज्यसभा के लिए चुने गए थे।

यह जीत जन सुराज प्रमुख की महीनों की मेहनत का नतीजा थी। उन्होंने बीजेपी और आरजेडी के जोर-शोर से चुनाव प्रचार शुरू करने से लगभग दो महीने पहले ही अपना अभियान शुरू कर दिया था। इस दौरान, किशोर ने जनसभाएं कीं, घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया और पूरे चुनाव क्षेत्र में बूथ-स्तर का संगठन खड़ा किया, जिससे उनकी नई पार्टी को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त मिल गई। पूरे कैंपेन के दौरान, किशोर ने उपचुनाव को 'सम्राट चौधरी सरकार पर जनमत संग्रह' के तौर पर पेश किया। उनका कैंपेन मुख्य रूप से रोजगार, शिक्षा और गवर्नेंस पर केंद्रित था, जिसमें पहली बार वोट देने वालों और जेन-जी वोटर्स पर खास जोर दिया गया।

वहीं, बीजेपी ने इस मुकाबले को प्रतिष्ठा की लड़ाई माना और सीट बचाने के लिए करीब 40 स्टार प्रचारकों और हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं को मैदान में उतारा। चुनाव के आखिरी चरण में कई वरिष्ठ नेताओं ने बांकीपुर में जोर-शोर से प्रचार किया। अपनी जीत पक्की होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए किशोर ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता बांकीपुर के लोगों के भरोसे का सम्मान करना है।

उन्होंने कहा कि इस जीत के बाद हमारी पहली प्राथमिकता बांकीपुर के लोगों के आशीर्वाद और भरोसे का सम्मान करना है। हम बांकीपुर को बेहतर बनाने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। अगले दो-तीन महीनों में आपको वे बदलाव दिखने लगेंगे। उम्मीदों को संतुलित करते हुए किशोर ने कहा कि उनके विधायक चुने जाने से बाकीपुर रातों-रात बेंगलुरु नहीं बन जाएगा, लेकिन उन्होंने निवासियों को भरोसा दिलाया कि अगले कुछ महीनों में ही साफ तौर पर सुधार दिखने लगेंगे।

'जुकरबर्ग माफी मांगें, नहीं तो कार्रवाई होगी'

पीएम मोदी का वीडियो हटाने पर बवाल, संसदीय समिति ने मेटा को दी बड़ी चेतावनी

वेलकम इंडिया नेटवर्क

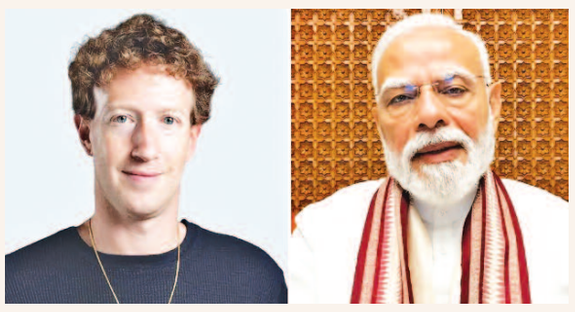

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक वीडियो कुछ समय के लिए हटाए जाने के मामले में संसदीय स्थायी समिति (कम्युनिकेशन एवं आईटी) ने मेटा पर कड़ा रुख अपनाया है। समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बैठक के बाद कहा कि यह केवल तकनीकी गलती का मामला नहीं है, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही और उनके एल्गोरिदम पर गंभीर सवाल खड़े करता है। दुबे ने कहा कि समिति ने साफ तौर पर मांग की है कि मेटा के CEO मार्क जुकरबर्ग इस मामले में सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो आईटी एक्ट की धारा 79 के तहत मिलने वाला 'सेफ हार्बर' प्रोटेक्शन वापस लेने पर विचार किया जाना चाहिए।

एल्गोरिदम पर उठाए सवाल

निशिकांत दुबे ने कहा कि मेटा इंडिया और यूट्यूब के एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली देश के सामने आनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि भाजपा, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी जैसे बड़े राजनीतिक दलों की कंबाइंड व्यूअरशिप 23-24 मिलियन के आसपास है, जबकि हाल ही में बने एक अनरजिस्टर्ड एंटी रिजर्वेशन फॉर्म की पहुंच 7 मिलियन तक पहुंच गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया कंपनियों की नीति नए अकाउंट्स या नए प्लेटफॉर्म्स को प्राथमिकता देने की है, जिससे एल्गोरिदम को लेकर सवाल खड़े होते हैं।

मोदी का वीडियो हटना बताया गंभीर मामला

भाजपा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री का वीडियो हटाया जाना पहली घटना नहीं है। उन्होंने कहा कि मेटा ने खुद स्वीकार किया है कि वीडियो करीब पांच घंटे तक प्लेटफॉर्म से गायब रहा। उनके मुताबिक, जब भारत के प्रधानमंत्री का ऑफिशियल वीडियो हट सकता है तो यह बेहद गंभीर विषय है। निशिकांत दुबे ने मेटा के उएड मार्क जुकरबर्ग के 2024 के भारतीय चुनावों को लेकर दिए गए बयान का भी जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि बाद में माफी मांगना यह दिखाता है कि कंपनी की मंशा पर सवाल उठते हैं।

ई-20 ईंधन: नितिन गडकरी आवास के बाहर कांग्रेस का प्रदर्शन

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नागपुर। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को ई-20 ईंधन के मुद्दे को लेकर नागपुर में विरोध प्रदर्शन किया और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के आवास का 'घेराव' करने के लिए मार्च निकाला। हालांकि, पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया, जिसके बाद कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया।

यह 'मोर्चा' शहर के महाल स्थित चितनवीस पार्क चौक से गडकरी के निजी आवास तक निकाला गया। इस दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने ई-20 ईंधन की व्यावहारिक उपयोगिता पर सवाल उठाते हुए नारेबाजी की। केंद्रीय मंत्री के आवास के पास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था और रास्ते में अवरोधक लगाए गए थे। इसके बावजूद प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने के लिए अवरोधक पार करने की कोशिश की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। कांग्रेस ई-20 ईंधन के मुद्दे पर नितिन गडकरी को लगातार निशाने पर ले रही है। पार्टी का कहना है कि 29 जुलाई को संसद में ई20 पेट्रोल के देशव्यापी क्रियान्वयन पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा दिए गए जवाब से समाधान के बजाय और अधिक सवाल खड़े हुए हैं।

महिला पहलवानों के उत्पीड़न मामले में दिल्ली की अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह को किया बरी

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर को महिला पहलवानों के उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े मामले में बरी कर दिया। राउज एवेन्यू अदालत के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने अंतिम बहस पूरी होने के बाद दो जुलाई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे आज सुनाया गया। मामले की सुनवाई बंद कमरे में हुई थी। यह मामला ओलंपियन विनेश फोगाट सहित छह महिला पहलवानों के लगाये आरोपों से जुड़ा था, जिन्होंने डब्ल्यूएफआई प्रमुख के रूप में श्री सिंह के कार्यकाल के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। कथित घटनाएं 2016 से 2019 के बीच महासंघ के कार्यालय, श्री सिंह के सरकारी आवास और विदेशी दौरों के दौरान होने की बात कही गई थी। श्री सिंह ने लगातार सभी आरोपों से इनकार किया था। अदालत ने सह-आरोपी विनोद तोमर को भी बरी कर दिया, जो एक शिकायतकर्ता के संबंध में आपराधिक धमकी देने से जुड़े आरोपों का सामना कर रहे थे। मई 2024 में आरोप तय करते समय अदालत ने एक शिकायतकर्ता के मामले में श्री सिंह को बरी कर दिया था और तोमर के खिलाफ कई आरोपों को हटा दिया था, जबकि बाकी आरोपों पर मुकदमे की सुनवाई जारी रखने की अनुमति दी थी। शिकायतकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रेबेका जॉन ने पक्ष रखा, जबकि श्री सिंह की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव मोहन पेश हुए। मुकदमा शुरू होने से पहले अदालत ने आगे की जांच और अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की श्री सिंह की याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्होंने तर्क दिया था कि आरोपों में उल्लिखित तिथियों में से एक दिन वे भारत में मौजूद नहीं थे। दिल्ली पुलिस ने श्री सिंह के खिलाफ दर्ज शिकायतों की जांच के बाद जून 2023 में आरोप पत्र दाखिल किया था। आरोपों में भारतीय दंड संहिता के यौन उत्पीड़न, महिला की लज्जा भंग करने, पीछा करने और आपराधिक धमकी से संबंधित प्रावधान शामिल थे। तोमर पर उकसाने का अतिरिक्त आरोप भी लगाया गया था। यह आपराधिक मामला 2023 में दिल्ली के जंतर-मंतर पर भारत के कुछ प्रमुख पहलवानों के किये गये लंबे विरोध-प्रदर्शन के बाद दर्ज हुआ था।

सिस्टम ने दिया धोखा, न्याय नहीं मिला!

महिला पहलवानों की ओर से दर्ज कराए गए हाई-प्रोफाइल यौन उत्पीड़न के मामले में रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के बरी होने की खबर ने सबका ध्यान खींचा है। गौरतलब है कि दिल्ली की एक अदालत ने बृजभूषण को इस मामले में सह-आरोपी और डब्ल्यूएफआई के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर के साथ बरी कर दिया। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने राउज एवेन्यू कोर्ट में यह फैसला सुनाया। हालांकि, पहलवानों को यह खबर पसंद नहीं आई; विनेश फोगाट ने तुरंत सामने आकर इस फैसले पर अपनी निराशा जाहिर की।

छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक सीढ़ी न बनाएं: राघव चड्ढा

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। राघव चड्ढा ने कांग्रेस पर नीट पेपर लीक मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह विवाद योग्यता बनाम माफिया का है, न कि पार्टियों का। उन्होंने छात्रों के विरोध प्रदर्शनों का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल न करने की अपील की और सरकार द्वारा लाए जा रहे 'एंटी-पेपर लीक फ्रेमवर्क' को संस्थागत सुधार की दिशा में पहला कदम बताया। चड्ढा ने पेपर लीक को गंभीर अपराध मानकर फास्ट-ट्रैक कोर्ट स्थापित करने के सरकारी निर्णय का स्वागत किया, जिससे छात्रों की आवाज को महत्व दिया गया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद राघव चड्ढा ने सोमवार को विपक्ष पर ठएएळ परीक्षा पेपर लीक के मुद्दे का राजनीतिकरण करने और राजनीतिक फायदे के लिए छात्रों की भावनाओं का फायदा उठाने का आरोप लगाया। 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर राज्यसभा में बहस के दौरान उन्होंने जोर देकर कहा कि यह विवाद भाजपा और कांग्रेस के बीच नहीं, बल्कि मेरिट और माफिया तथा मेहनत और सेटिंग के बीच है।

चड्ढा ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों को छात्रों के विरोध-प्रदर्शन का इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए करने से बचना चाहिए और पेपर लीक की समस्या से निपटने के लिए संस्थागत सुधारों की वकालत की। उन्होंने कहा कि जैसे कैंसर का इलाज क्रोसिन से नहीं हो सकता, वैसे ही पेपर लीक की समस्या का समाधान मीडिया में बयानबाजी से नहीं, बल्कि संस्थागत उपायों से ही हो सकता है। हमारी सरकार आज भारत का पहला 'एंटी-पेपर लीक फ्रेमवर्क' लाकर यही करने जा रही है।

उत्तर प्रदेश विधानमंडल मॉनसून सत्र: पहले ही दिन योगी सरकार से भिड़ी समाजवादी पार्टी, सदन में जोरदार हंगामा

वेलकम इंडिया नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मॉनसून सत्र की आज हुई शुरूआत के दौरान अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सभी दलों के जो तेवर दिखे और एक दूसरे को घेरने की जो तैयारियां देखने को मिलीं उसके चलते यह सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है। सत्र की शुरूआत वाले दिन ही जिस तरह विपक्षी विधायकों ने सरकार को घेरा और पलटवार में मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर जो करारा निशाना साधा उससे स्पष्ट हो गया कि सभी नेता अपने अपने चुनावी तरकश में जबरदस्त वार वाले राजनीतिक तीर लेकर आये हैं।

हम आपको बता दें कि सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विधायकों का स्वागत करते हुए सदन को जनता की आवाज सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी मंच बताया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा होनी चाहिए, ताकि जनसमस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक विधायक को अपने विधानसभा क्षेत्र की समस्याएं सदन में उठाने का अवसर मिलना चाहिए और सरकार का दायित्व है कि उन पर गंभीरता से विचार कर समाधान निकाले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और डबल इंजन सरकार सदन के समय का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों के आधार पर योजनाएं बनाकर प्रदेश में व्यापक सुधार किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की छवि बदलने में सरकार सफल रही है और राज्य को 'बीमारू' की स्थिति से निकालकर राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आर्थिक उपलब्धियां हासिल की गई हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन में सरकार की युवा कल्याण योजनाओं, महिलाओं की सुरक्षा, किसानों के जीवन में आए बदलाव तथा गरीबों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा परिवर्तन का केंद्र है, जहां नीतियां बनाई जाती हैं और जनहित के विषयों पर विचार-विमर्श होता है। मुख्यमंत्री ने सावन माह की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समय किसानों, प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े विद्यार्थियों तथा कांवड़ यात्रा के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने इन सभी वर्गों को शुभकामनाएं भी दीं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने राम मंदिर दान में कथित गड़बड़ी के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रही समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि जो लोग आज राम मंदिर के चंदे में चोरी की बात कर रहे हैं, उन्होंने मंदिर निर्माण में अपनी ओर से एक पैसा भी योगदान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यही वे लोग हैं जिन्होंने अयोध्या में रामभक्तों पर गोली चलवाई थी और अदालतों में वकीलों की फौज खड़ी कर श्रीराम मंदिर निर्माण की पूरी प्रक्रिया में बाधाएं उत्पन्न करने का प्रयास किया था।

कर्नाटक कैबिनेट विस्तार: डीके शिवकुमार मंत्रिमंडल में 20 नए मंत्रियों की शपथ, सूची आते ही बगावत शुरू

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की कैबिनेट का विस्तार हो गया है। सोमवार को 20 नए मंत्रियों ने शपथ ले ली है। इसके साथ ही कांग्रेस को आंतरिक तौर पर नेताओं की नाराजगी और असहमतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो कि मुख्यमंत्री के लिए भी एक बड़ी चुनौती ही है। पार्टी के तीन बार के विधायक यशवंत राय गौड़ा पाटिल ने विधानसभा से इस्तीफा देते हुए कहा कि उन्हें पार्टी ने नजरंदाज किया है। उन्हें इस बात का काफी दुख है। इसके अलावा एक अन्य नाराज कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने भी कहा कि वे भी अपना इस्तीफा दे देंगे।

नाराज विधायकों ने क्या कहा?

यशवंत पाटिल ने कहा, 'मैं चार दशकों से राजनीति में हूं। मुझे दुख हुआ है।' पाटिल ने कहा कि साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अभी तक पार्टी छोड़ने के बारे में कोई फैसला नहीं लिया है। दूसरी ओर गोपालकृष्ण ने कहा कि वे विधायक पद और राज्य वन उद्योग निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देंगे। गोपालकृष्ण ने कहा, 'केवल मुख्यमंत्री या मंत्रियों के बच्चे ही मंत्री बनने का मौका पा सकते हैं। मैं विधायक पद और जिस बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में मुझे नियुक्त किया गया है, उसके पद से इस्तीफा देता हूं।'

बीजेपी-जेडीएस के रास्ते कांग्रेस में आए थे गोपालकृष्ण

पार्टी बदल कर चुनाव लड़ने वाले गोपालकृष्ण ने पहली बार 2004 में इखढ उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव जीता और 2008 में भी सीट बरकरार रखी। 2013 के चुनावों में टिकट न मिलने के बाद उन्होंने जेडीएस में शामिल होकर सागर सीट से चुनाव लड़ा लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली।

सिद्धारमैया कैंप का दबदबा?

अहम बात यह है कि डीके शिवकुमार की कैबिनेट में पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कैंप का दबदबा होने के संकेत मिल रहे हैं, क्योंकि डीके कैबिनेट के 33 में से 21 मंत्री सिद्धारमैया के मंत्रिमंडल में सेवा दे चुके हैं। पिछले तीन हफ्तों से मंत्रियों के चयन को लेकर कांग्रेस हाईकमान के साथ विचार-विमर्श के बावजूद AICC ने रिलीज हुई लिस्ट में आखिरी वक्त में भी बड़े बदलाव भी किए गए। सोमवार दोपहर के आसपास जारी की गई सूची में पूर्व मंत्री मनकला वैद्य का नाम तो था लेकिन जल्द ही इसे वापस ले लिया गया। संशोधित सूची में वैद्य का नाम हटाकर उनकी जगह पूर्व मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन को शामिल किया गया।

संपादक की कलम से

'नकली धर्मगुरुओं' के खिलाफ कार्रवाई करना क्यों आवश्यक है?

ललित शर्मा
संपादक

भारत को हमेशा से संतों, ऋषियों और आध्यात्मिक ज्ञान की भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। सदियों से पवित्र पुरुष और महिलाएं दूसरों को करुणा, सत्य, आत्म-अनुशासन और सेवा के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। विभिन्न सुधारकों और संतों के सिद्धांतों ने भारतीय समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किया है और लोगों को अज्ञानता, अंधविश्वास और सामाजिक बाधाओं से ऊपर उठने के लिए प्रेरित किया है। लाखों भारतीयों के जीवन में आस्था का सर्वोपरि स्थान है, क्योंकि यही पवित्रता परम वास्तविकता है। लेकिन देश में ऐसे लोगों का उदय हुआ है जो अपनी निजी जरूरतों को पूरा करने के लिए धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग करते हैं, जिन्हें 'धर्मगुरु' का उपनाम दिया गया है। वे धन, प्रभाव और निर्विवाद सत्ता के साम्राज्य स्थापित करने के लिए तथाकथित 'आध्यात्मिक भाषा' को बढ़ावा देते हैं। भारत में कई मामलों में ऐसी महिलाओं पर यौन शोषण, संपत्ति मालिक को धोखा देना, अवैध भूमि अधिग्रहण, धमकी आदि जैसे गंभीर अपराधों का आरोप लगाया गया है या उन्हें दोषी ठहराया गया है। इससे न केवल ये प्रथाएं अवैध हो जाती हैं, बल्कि धार्मिक रूप से आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन करने वालों की प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है। इसीलिए, किसी भी अधिकारी द्वारा धर्म को आपराधिक कृत्यों की आड़ में इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ उठाया गया कोई भी कदम न्याय और कानून के शासन का हिस्सा माना जाना चाहिए, न कि किसी के धर्म पर अत्याचार। संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी नागरिक कानून से ऊपर नहीं होता। गलत कामों की कोई खुली छूट नहीं होनी चाहिए और किसी को भी उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर कानून से छूट नहीं मिलनी चाहिए। भारत का संविधान अपने सभी नागरिकों को धार्मिक आस्था, धार्मिक रीति-रिवाजों और उनके प्रचार-प्रसार के अधिकार को एक विशेषाधिकार के रूप में मान्यता देता है। यह स्वतंत्रता सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य की अन्य संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त सीमाओं के अधीन भी है। संविधान धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन धार्मिक आड़ में वास्तविक धार्मिक गतिविधियों को आपराधिक गतिविधियों में शामिल करने की अनुमति नहीं देता है। इसलिए, सरकार द्वारा अधिकांश अनधिकृत आध्यात्मिक नेताओं, स्व-घोषित या 'आध्यात्मिक' नेताओं की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने, उनकी गतिविधियों में वित्तीय अनियमितताओं या अन्य गैरकानूनी आचरण के मामलों की जांच करना, सरकार का संवैधानिक कर्तव्य है, न कि धार्मिक आस्था में हस्तक्षेप। धर्म का शोषण, पाखंडी धर्मगुरुओं द्वारा लोगों के लिए उत्पन्न किए जाने वाले सबसे बड़े खतरों में से एक है। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त, भावनात्मक या मानसिक तनाव से जूझ रहे, या आर्थिक तंगी से परेशान लोग, बिना किसी संदेह के ऐसे करिश्माई व्यक्तित्व के संपर्क में आ जाते हैं जो चमत्कारिक इलाज, अचानक धन-दौलत और जीवन की समस्याओं का चमत्कारिक, अलौकिक समाधान देने का वादा करता है। इस शोषण के कारण पीड़ितों और उनके परिवारों को आर्थिक नुकसान, मानसिक तनाव या इससे भी बदतर, जीवन भर कष्ट भोगना पड़ सकता है। दुर्भाग्य से, अंधविश्वास फैलाने वाले ही एकमात्र लोग नहीं हैं। बल्कि यह समाज की भी ज़िम्मेदारी है जो पूछताछ करने और आलोचनात्मक रूप से सोचने की अनिच्छा को बढ़ावा देता है। आस्था तर्क के विरुद्ध नहीं है। सच्ची आध्यात्मिकता विनम्रता, सहानुभूति और आत्मनिरीक्षण को बढ़ावा देती है, जबकि बिना सोचे-समझे आज्ञापालन आलोचनात्मक चिंतन को दबा देता है।

राष्ट्रीय गौरव और लोकतांत्रिक अधिकार

डॉ विजय गर्ग
लेखक

किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति केवल उसकी सीमाएँ, सेना या अर्थव्यवस्था नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों की जागरूकता, संविधान के प्रति आस्था और राष्ट्र के प्रति सम्मान होता है। राष्ट्रीय गौरव और लोकतांत्रिक अधिकार एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं। जब नागरिक अपने अधिकारों का जिम्मेदारी के साथ उपयोग करते हैं और राष्ट्र के सम्मान को सर्वोपरि मानते हैं, तभी एक सशक्त, समावेशी और प्रगतिशील समाज का निर्माण होता है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता, धार्मिक स्वतंत्रता, शिक्षा का अधिकार और न्याय पाने का अधिकार प्रदान करता है। ये अधिकार लोकतंत्र की आत्मा हैं, क्योंकि इनके माध्यम से नागरिक अपनी बात रख सकते हैं, शासन से प्रश्न पूछ सकते हैं और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं। लेकिन संविधान ने यह भी स्पष्ट किया है कि अधिकारों के साथ कर्तव्य भी जुड़े होते हैं। कोई भी स्वतंत्रता निरंकुश नहीं हो गौरव का अर्थ केवल राष्ट्रध्वज को सलाम करना या राष्ट्रगान गाना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है देश की एकता, अखंडता, विविधता, संस्कृति, लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करना। राष्ट्रीय गौरव तब और मजबूत होता है जब नागरिक ईमानदारी से कर चुकाते हैं, कानून का पालन करते हैं, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करते हैं, पर्यावरण को सुरक्षित रखते हैं और बनाए रखने में योगदान देते हैं। लोकतांत्रिक अधिकारों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। विचारों की विविधता लोकतंत्र को जीवंत बनाती है। सरकार की नीतियों की आलोचना करना, सुधार की मांग करना और वैकल्पिक विचार प्रस्तुत करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। किंतु यह आलोचना तथ्यपरक, जिम्मेदार और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर होनी चाहिए। ऐसी अभिव्यक्ति जो हिंसा, घृणा, विभाजन या राष्ट्र की सुरक्षा को नुकसान पहुँचाए, लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं मानी जा सकती। आज सोशल मीडिया ने हर नागरिक को अपनी बात रखने का मंच दिया है। यह लोकतंत्र के लिए एक अवसर भी है और चुनौती भी। झूठी खबरें, भ्रामक सूचनाएँ, अफवाहें और घृणा फैलाने वाली सामग्री समाज में तनाव और अविश्वास पैदा कर सकती हैं। इसलिए डिजिटल युग में नागरिकों का दायित्व है कि वे किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जाँच करें और जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनें। राष्ट्रीय गौरव केवल अतीत की उपलब्धियों पर गर्व करने से नहीं, बल्कि वर्तमान में सकारात्मक योगदान देने से भी बढ़ता है। जब युवा शिक्षा, नवाचार, विज्ञान, खेल, साहित्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट कार्य करते हैं, तब वे देश का सम्मान विश्व मंच पर बढ़ाते हैं। यही सच्ची राष्ट्रसेवा है। विद्यालय और परिवार इस संतुलन को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों को केवल अधिकारों की जानकारी देना पर्याप्त नहीं है; उन्हें संविधान, कर्तव्यों, सहिष्णुता, संवाद, विविधता के सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों का व्यावहारिक महत्व भी सिखाना आवश्यक है। जागरूक और संवेदनशील नागरिक ही लोकतंत्र को मजबूत बना सकते हैं। भारत की सबसे बड़ी पहचान उसकी विविधता में एकता है। विभिन्न भाषाएँ, संस्कृतियाँ, परंपराएँ और विचार हमारे लोकतंत्र को समृद्ध बनाते हैं। जब हम मतभेदों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करते हैं और संवाद के माध्यम से समाधान खोजते हैं, तभी लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता दोनों मजबूत होते हैं। अंततः, राष्ट्रीय गौरव और लोकतांत्रिक अधिकार एक ही रथ के दो पहिए हैं। जहाँ राष्ट्रीय गौरव हमें देश के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी का भाव देता है, वहीं लोकतांत्रिक अधिकार हमें स्वतंत्र, जागरूक और सक्रिय नागरिक बनने का अवसर प्रदान करते हैं। इन दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना ही एक सशक्त, समृद्ध और लोकतांत्रिक भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

डीपफेक और फर्जी खबरों का खतरा: क्या लोकतंत्र सत्य की सबसे बड़ी परीक्षा से गुजर रहा है

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर आज का युग सूचना,संचार और डिजिटल तकनीक का युग है। मोबाइल फोन,इंटरनेट और सोशल मीडिया ने समाज में सूचना के प्रवाह को अभूतपूर्व गति प्रदान की है।कभी समाचारों के प्रसार का दायित्व मुख्यतः समाचारपत्रों, रेडियो,टेलीविजन और प्रशिक्षित पत्रकारों के हाथों में होता था, लेकिन आज प्रत्येक मोबाइलधारी व्यक्ति सूचना का उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि उसका निमार्ता,प्रसारक और प्रभावकर्ता भी बन गया है।यह परिवर्तन लोकतंत्र के लिए अनेक अवसर लेकर आया है।आम नागरिक को अपनी बात सार्वजनिक मंच तक पहुंचाने का अधिकार मिला,शासन की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ी,जनसमस्याएं तेजी से सामने आने लगीं और सामाजिक भागीदारी का विस्तार हुआ। किंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते यह कहना चाहूंगा कि तकनीक की यही शक्ति अब एक गंभीर चुनौती भी बन रही है।फर्जी समाचार,भ्रामक सूचनाएं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित तस्वीरें,नकली आवाजें और डीपफेक वीडियो सत्य, विश्वास और लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने नई परीक्षा खड़ी कर रहे हैं।भारत ने वर्ष 2026 में सूचना प्रौद्योगिकी नियमों में संशोधन कर सिंथेटिकली जनरेटेड इंफॉर्मेशन अर्थात कृत्रिम या एल्गोरिद्मिक रूप से निर्मित अथवा परिवर्तित सामग्री के संबंध में नियामक ढांचे को मजबूत किया है। इन संशोधनों में एआई-निर्मित सामग्री की पहचान, स्पष्ट लेबलिंग और डिजिटल मध्यस्थों की जवाबदेही परविशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने मार्च 2026 में भी प्लेटफॉर्मों को भ्रामक, अपमान जनक और हानिकारक कृत्रिम सामग्री के संबंध में परामर्श जारी किया। यह महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि डिजिटल सामग्री का प्रभाव उसकी गति से जुड़ा होता है। यदि कोई झूठा वीडियो कुछ घंटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाए, तो बाद में उसे हटाने के बाद भी उसका सामाजिक और मानसिक प्रभाव बना रह सकता है। विश्व स्तर पर यूरोपीय संघ का एआई एक्ट पारदर्शिता आधारित नियमन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। 2 अगस्त 2026 से एआई एक्ट के अनुच्छेद 50 के अंतर्गत कुछ जनरेटिव एआई प्रणालियों और डीपफेक सामग्री के लिए पारदर्शिता संबंधी दायित्व लागू हुए हैं।

साथियों बात अगर हम इस तकनीकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी के युग में पत्रकारिता को समझने की करें तो इसका मूल संबंध जनसरोकारों से है। पत्रकारिता केवल घटनाओं का वर्णन नहीं,बल्कि समाज की चेतना, जनहित की रक्षा और लोकतांत्रिक जवाबदेही का माध्यम है।कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका लोकतांत्रिक शासन के तीन प्रमुख आयाम हैं,जबकि पत्रकारिता इन संस्थाओं की गतिविधियों को जनता तक पहुंचाकर पारदर्शिता,सत्य और जवाबदेही को मजबूत करती है। यही कारण है कि स्वतंत्र और जिम्मेदार पत्रकारिता को राष्ट्र का चौथा स्तंभ कहा जाता हैपत्रकारिता निरंकुशता पर प्रश्न उठाती है, सत्ता के दुरुपयोग को उजागर करती है, वंचितों और पीड़ितों की आवाज बनती है तथा मानवीय मूल्यों की पक्षधरता करती है। हिंदी पत्रकारिता के लगभग दो शताब्दियों के इतिहास ने भी यह सिद्ध किया है कि पत्रकारिता केवल सूचना का व्यवसाय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय चेतना की महत्वपूर्ण शक्ति है। साथियों, लेकिन आज पत्रकारिता के सामने चुनौती केवल समाचारों की गति नहीं,बल्कि सत्य की पहचान है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने ऐसी तकनीक विकसित कर दी है,जो किसी व्यक्ति के चेहरे,आवाज,हावभाव और बोलने की शैली की अत्यंत वास्तविक प्रतीत होने वाली प्रतिकृति तैयार कर सकती है।किसी नेता, न्यायाधीश पत्रकार, अभिनेता,अधिकारी या सामान्य नागरिक को ऐसा बोलते या करते हुए दिखाया जा सकता है, जो उसने कभी कहा या किया ही नहीं। जब कृत्रिम सामग्री वास्तविकता जैसी दिखाई देने लगे, तब सामान्य नागरिक के लिए सत्य और असत्य में अंतर करना कठिन हो जाता है। यही डीपफेक की सबसे गंभीर चुनौती है, यह केवल झूठी सूचना नहीं बनाता, बल्कि झूठ को विश्वसनीय दृश्य और श्रव्य रूप देकर उसे सटीकता से सत्य जैसा प्रतीत कराता है। साथियों, फर्जी खबर और डीपफेक में तकनीकी अंतर हो सकता है, लेकिन दोनों का अंतिम प्रभाव सार्वजनिक विश्वास को कमजोर करना है। फर्जी खबर सामान्यतः ऐसी गलत, भ्रामक या मनगढ़ंत सूचना होती है, जिसे जानबूझकर या बिना पर्याप्त सत्यापन के प्रसारित किया जाता है। इसका उद्देश्य राजनीतिक लाभ, आर्थिक लाभ, सामाजिक तनाव, वैचारिक प्रचार या अधिक क्लिक और दर्शक प्राप्त करना हो सकता है। इसके विपरीत डीपफेक कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से तैयार या परिवर्तित तस्वीर, आवाज अथवा वीडियो है, जिसमें किसी व्यक्ति को ऐसी गतिविधि करते या ऐसा वक्तव्य देते हुए दिखाया जाता है जो वास्तविक नहीं होता। लिखित सूचना पर नागरिक संदेह कर सकता है, लेकिन जब वही सूचना किसी परिचित चेहरे और वास्तविक लगने वाली आवाज के साथ प्रस्तुत हो, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव कहीं अधिक हो सकता है।यूनेस्को ने डीपफेक को ज्ञान और सत्य को समझने के संकट से जोड़ा है। समस्या केवल नकली सामग्री की पहचान करने की नहीं है, बल्कि ऐसी डिजिटल दुनिया में प्रमाण, स्रोत और विश्वसनीयता की रक्षा करने की भी है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता वास्तविकता जैसी सामग्री तैयार कर सकती है। साथियों, डीपफेक का सबसे बड़ा खतरा यह नहीं कि लोग केवल नकली वीडियो को सच मान लें। इससे भी गंभीर स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब लोग वास्तविक वीडियो और वास्तविक प्रमाणों को भी डीपफेक बताकर अस्वीकार करने लगें। यदि किसी व्यक्ति का वास्तविक वीडियो सामने आए, तो वह यह दावा कर सकता है कि उसे एआई द्वारा बनाया या परिवर्तित किया गया है। इस स्थिति को लायर्स डिविडेंड कहा जाताहै,अर्थात तकनीक का ऐसा लाभ, जो झूठ बोलने वाले व्यक्ति को वास्तविक प्रमाणों से बचने का अवसर दे सकता है। परिणामस्वरूप समाज में कुछ भी पूरी तरह सच नहीं है जैसी मानसिकता विकसित हो सकती है। लोकतंत्र केवल मतदान की प्रक्रिया से संचालित नहीं होता; वह साझा तथ्यों, विश्वसनीय सूचना और नागरिक विश्वास पर भी आधारित होता है। यदि सत्य की पहचान ही विवादित हो जाए, तो लोकतांत्रिक संवाद और जनमत दोनों कमजोर पड़ सकते हैं। साथियों, चुनावों और राजनीतिक व्यवस्था पर डीपफेक का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है। किसी चुनाव से कुछ घंटे पहले यदि किसी राजनीतिक नेता का नकली वीडियो प्रसारित किया जाए, जिसमें वह किसी समुदाय के विरुद्ध बयान देता दिखाई दे या किसी संवेदनशील विषय पर विवादित टिप्पणी करता हुआ दिखाया जाए, तो उसका प्रभाव मतदाताओं की सोच पर पड़ सकता है।बाद में तथ्य-जांच या आधिकारिक स्पष्टीकरण आने पर भी गलत सूचना का प्रभाव पूरी तरह समाप्त नहीं होता।एआई आधारित माइक्रो-टार्गेटिंग के माध्यम से अलग-अलग नागरिकों को उनकी रुचियों, भावनाओं और डिजिटल व्यवहार के अनुसार अलग राजनीतिक संदेश भेजे जा सकते हैं।

फकीरों की संसार

उदय कशोर साह

कविता

ये है फकीरों की अद्भूत संसार
यहाँ नहीं लगती दौलत की बाजार
हर जन मस्ती में यहाँ है चूर
चिन्ता फिक्र है जहाँ से कोसों दूर

दिल से है हर जन जन धनवान
लुट खसोट की नहीं कहीं है दुकान
हर शख्स अपने में है यहाँ मगरूर
वैमनस्यता को ना जगह है हुजूर

हर मन में बसा है शांति की अरमान
सब ग्रामीणों पे रब है यहाँ मेहरवान
हर चेहरे पे झलकता यहाँ पे नूर
खुदा को भी है ये नगर मंजूर

भाईचारा की सबका जहाँ कारीबार
बेईमानों की ना है कोई भी . व्यापार
ईमानदारी की है जहाँ रस्म। दस्तूर
हर जन जन पे छाई है हँसी की सरूर

काश ! इस जगत सा होता ये संसार
दुश्मन भी शर्म से हो जाता शर्मसार
दोस्ती के लिये हर मानव होता मजबूर
मस्ती में झूमता कण कण में मजकूर

राजनीति का विषैला चेहरा; सत्ता की भूख में दम तोड़ता राष्ट्रहित

एनके शर्मा
लेखक

राष्ट्र किसी भूगोल का नाम नहीं होता। वह केवल संविधान की धाराओं, संसद की दीवारों, चुनावी घोषणापत्रों अथवा सत्ता के गलियारों से निर्मित नहीं होता। राष्ट्र अपने नागरिकों के विश्वास, उनकी आकांक्षाओं, उनके श्रम, उनकी संस्कृति, उनकी सामूहिक चेतना और उनके भविष्य के प्रति साझा उत्तरदायित्व से निर्मित होता है। जब राजनीति इस उत्तरदायित्व का निर्वहन करती है, तब वह राष्ट्र निर्माण का सबसे शक्तिशाली माध्यम बन जाती है; किंतु जब राजनीति का मूल उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना और उसे किसी भी मूल्य पर बनाए रखना रह जाता है, तब वही राजनीति राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाती है।

आधुनिक लोकतंत्रों के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि किसी भी राष्ट्र का पतन केवल आर्थिक कमजोरी या सैन्य पराजय से नहीं होता। अनेक बार राष्ट्र भीतर से खोखला हो जाता है, क्योंकि उसकी राजनीतिक संस्कृति धीरे-धीरे नैतिकता, उत्तरदायित्व और लोकहित से विमुख होकर अवसरवाद, ध्रुवीकरण, दुष्प्रचार और सत्ता-केंद्रित सोच का शिकार हो जाती है। यह प्रक्रिया अचानक दिखाई नहीं देती, किंतु इसके परिणाम पीढ़ियों तक भुगतने पड़ते हैं। राजनीति का मूल उद्देश्य समाज के विविध हितों का समन्वय, न्यायपूर्ण शासन, समान अवसर और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास होना चाहिए। किंतु जब चुनाव जीतना ही राजनीति का अंतिम लक्ष्य बन जाए, तब नीति पीछे छूट जाती है और केवल राजनीति शेष रह जाती है। विचारधारा घोषणापत्रों तक सीमित रह जाती है, सिद्धांत मंचों पर भाषणों का विषय बन जाते हैं और राष्ट्रहित चुनावी गणित की भेंट चढ़ जाता है। वर्तमान वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य इस चुनौती का साक्षी है। अनेक लोकतांत्रिक देशों में वैचारिक संवाद की जगह व्यक्तिगत आक्षेपों ने ले ली है। तथ्य और तर्क के स्थान पर भावनात्मक उत्तेजना का प्रयोग बढ़ा है। सोशल मीडिया और डिजिटल मंचों ने नागरिकों को अभिव्यक्ति का अवसर अवश्य दिया है, किंतु इनके माध्यम से झूठ, आधे-अधूरे तथ्यों और सुनियोजित दुष्प्रचार का प्रसार भी अभूतपूर्व स्तर तक पहुँच गया है। परिणामस्वरूप नागरिक विवेकपूर्ण निर्णय लेने के बजाय भावनात्मक ध्रुवीकरण का हिस्सा बनने लगे हैं। राजनीतिक विज्ञान में इसे 'पोस्ट-ट्रुथ पॉलिटिक्स' अर्थात 'सत्योत्तर राजनीति' कहा जाता है, जहाँ तथ्य गौण और भावनाएँ प्रधान हो जाती हैं। ऐसी राजनीति में किसी समस्या का समाधान महत्वपूर्ण नहीं होता; महत्वपूर्ण यह होता है कि उस समस्या का राजनीतिक लाभ किसे मिलेगा। बेरोजगारी, महँगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, न्यायिक सुधार और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे गंभीर प्रश्न अक्सर चुनावी नारों के शोर में दब जाते हैं। सत्ता की भूख का सबसे खतरनाक प्रभाव संस्थाओं पर पड़ता है। लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं है; लोकतंत्र स्वतंत्र न्यायपालिका, निष्पक्ष प्रशासन, उत्तरदायी मीडिया, सशक्त विपक्ष, स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाओं और जागरूक नागरिक समाज के संतुलन पर आधारित व्यवस्था है। जब राजनीति इन संस्थाओं को अपने हितों के अनुसार प्रभावित करने का प्रयास करती है, तब लोकतंत्र का बाहरी ढाँचा भले ही सुरक्षित दिखाई दे, उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है। इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि जब भी किसी राष्ट्र में व्यक्तियों को संस्थाओं से अधिक शक्तिशाली बना दिया गया, तब अंततः लोकतांत्रिक संतुलन बिगड़ा है। किसी भी विचारधारा, दल या नेतृत्व के लिए यह आवश्यक है कि वह संस्थागत मर्यादाओं का सम्मान करे। सत्ता परिवर्तन लोकतंत्र की सामान्य प्रक्रिया है, किंतु संस्थाओं का क्षरण राष्ट्र की स्थायी क्षति बन जाता है। राजनीति का विषैला स्वरूप केवल सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रहता; वह समाज की संरचना को भी प्रभावित करता है। जब वोटों की गणना समाज की संवेदनाओं से अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, तब जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र और पहचान को राजनीतिक हथियार बना दिया जाता है। समाज का प्रत्येक वर्ग स्वयं को दूसरे वर्ग का प्रतिद्वंद्वी समझने लगता है। नागरिक पहले मतदाता बन जाता है और बाद में राष्ट्र का सदस्य। ऐसी परिस्थितियों में सामाजिक विश्वास का संकट उत्पन्न होता है। नागरिकों के बीच संवाद कम और संदेह अधिक होने लगता है। राजनीति यदि विभाजन को बढ़ावा देती है, तो उसका तात्कालिक लाभ किसी दल को मिल सकता है, किंतु दीर्घकाल में उसका मूल्य पूरा राष्ट्र चुकाता है। आर्थिक दृष्टि से भी सत्ता-केंद्रित राजनीति अत्यंत महँगी सिद्ध होती है। जब नीतियाँ दीर्घकालिक विकास के बजाय अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए बनाई जाती हैं, तब संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग बाधित होता है। लोक-लुभावन घोषणाएँ कभी-कभी आवश्यक सामाजिक सुरक्षा का माध्यम बन सकती हैं, किंतु यदि उनका उद्देश्य केवल चुनावी लाभ हो और उनके लिए स्थायी वित्तीय व्यवस्था न हो, तो भविष्य की पीढ़ियों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निवेश का प्रतिफल तुरंत दिखाई नहीं देता, किंतु वही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति का आधार होता है। दुर्भाग्यवश अल्पकालिक राजनीतिक सोच अनेक बार ऐसे निवेशों की अपेक्षा त्वरित लोकप्रियता देने वाली योजनाओं को प्राथमिकता देती है। इससे विकास की गुणवत्ता प्रभावित होती है। मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्र पत्रकारिता लोकतंत्र की प्रहरी मानी जाती है। उसका दायित्व सत्ता का समर्थन या विरोध करना नहीं, बल्कि सत्य का पक्ष लेना है। यदि मीडिया सत्ता या विपक्ष-किसी भी पक्ष-का प्रचारक बन जाए और तथ्यपरक विश्लेषण के स्थान पर वैचारिक युद्ध का माध्यम बन जाए, तो लोकतांत्रिक विमर्श कमजोर पड़ता है। पत्रकारिता की विश्वसनीयता ही लोकतंत्र की विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण आधार है। नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। लोकतंत्र में जनता केवल मतदाता नहीं, बल्कि शासन की वास्तविक स्वामी होती है। यदि नागरिक जातीय, धार्मिक या भावनात्मक आग्रहों के आधार पर निर्णय लें और नीति, पारदर्शिता, प्रशासनिक क्षमता तथा जनहित जैसे प्रश्नों की उपेक्षा करें, तो राजनीति भी उसी दिशा में विकसित होती है। लोकतंत्र अंततः समाज का प्रतिबिंब होता है। राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का अभाव भी गंभीर चिंता का विषय है। जब निर्णय कुछ व्यक्तियों तक सीमित रह जाते हैं, विचार-विमर्श कम हो जाता है और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा समाप्त होने लगती है, तब संगठन भी लोकतांत्रिक मूल्यों से दूर होने लगते हैं। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए केवल चुनाव पर्याप्त नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों के भीतर भी लोकतांत्रिक संस्कृति आवश्यक है। आज विश्व जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, ऊर्जा संकट, वैश्विक असमानता और भू-राजनीतिक तनाव जैसे जटिल प्रश्नों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में यदि राजनीतिक ऊर्जा केवल चुनावी रणनीतियों, व्यक्तिगत आरोपों और तात्कालिक लाभों में व्यय होती रहे, तो राष्ट्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह सकता है। भविष्य की राजनीति को विज्ञान, नवाचार, मानव संसाधन विकास, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक समावेशन को केंद्र में रखना होगा। यह भी स्वीकार करना होगा कि सभी राजनेता या सभी राजनीतिक दल समान नहीं होते। विभिन्न लोकतंत्रों में अनेक जनप्रतिनिधि अत्यंत ईमानदारी, समर्पण और जनसेवा की भावना से कार्य करते हैं। इसलिए राजनीति की आलोचना का उद्देश्य किसी विशेष दल, व्यक्ति या विचारधारा को लक्ष्य बनाना नहीं, बल्कि उन प्रवृत्तियों की पहचान करना है जो लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित को कमजोर करती हैं। लोकतांत्रिक आलोचना तभी सार्थक होती है जब वह तथ्य, तर्क और सार्वजनिक हित पर आधारित हो।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

43वीं यूपी पुलिस बैडमिंटन प्रतियोगिता में मेरठ जोन का शानदार प्रदर्शन, एसपी ने खिलाड़ियों का किया सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। जनपद मुरादाबाद में 23 से 26 जुलाई 2026 तक आयोजित 43वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक बैडमिंटन क्लस्टर (बैडमिंटन/टेबल टेनिस) महिला/ पुरुष प्रतियोगिता-2026 में मेरठ जोन की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 40+ डबल्स इवेंट में प्रथम स्थान, जबकि 35+ मेंस डबल्स एवं 35+ मिक्स डबल्स प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर जोन का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में जनपद हापुड़ से प्रतिभाग करने वाले पुलिसकर्मियों एवं खिलाड़ियों से पुलिस अधीक्षक ने मुलाकात कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं में और अधिक मेहनत एवं नियमित अभ्यास के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अधिक से अधिक पदक जीतने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं तथा खेल भावना को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास होता है। खिलाड़ियों की यह सफलता पूरे जनपद और मेरठ जोन के लिए गर्व की बात है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

विद्यालय चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार; लैपटॉप, टैबलेट समेत लाखों का सामान बरामद

वेलकम इण्डिया संवाददाता

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। थाना कपिलवस्तु पुलिस ने कंपोजिट विद्यालय चकईजोत में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का लैपटॉप, टैबलेट, इनवर्टर, कंप्यूटर, माइक्रोस्कोप सहित बड़ी मात्रा में शैक्षिक सामग्री तथा घटना में प्रयुक्त ऑटो रिक्शा बरामद किया है।

थानाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सोमवार को मदरहना उर्फ रामनगर टोला मटियरिया राजे डिहवा बाग के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रेमशंकर उर्फ प्रिंस कन्नौजिया निवासी बढ़या, रोहित चौधरी निवासी चकईजोत तथा रोहित चौधरी उर्फ टकलू निवासी चकईजोत के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 31 जुलाई की रात कंपोजिट विद्यालय चकईजोत का ताला तोड़कर लैपटॉप, टैबलेट, इनवर्टर, प्रिंटर, डेस्कटॉप कंप्यूटर, माइक्रोस्कोप, साउंड सिस्टम, साइंस किट समेत अन्य सामान चोरी किया था। चोरी का सामान ऑटो रिक्शा से नेपाल ले जाकर बेचने की योजना थी, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उनका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक लैपटॉप, दो टैबलेट, इनवर्टर, बैटरी, दो माइक्रोस्कोप, 11 माइक्रो हेडफोन, प्रिंटर, दो वायरलेस की-बोर्ड, ऑप्टिक फाइबर सेट, डेस्कटॉप कंप्यूटर, चार साउंड सिस्टम, दो साइंस किट तथा घटना में प्रयुक्त ऑटो रिक्शा बरामद किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय भेज दिया है, जबकि फरार आरोपी की तलाश जारी है।

वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य पर डीएम ने की समीक्षा, विभागों को दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा लक्ष्य प्राप्ति के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य समग्र विकास, रोजगार सृजन, औद्योगिक प्रगति तथा किसानों और उद्यमियों की आय बढ़ाने से जुड़ा है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि अपनी योजनाओं एवं विकास कार्यों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी ढंग से क्रियान्वित करें। उन्होंने कृषि, एमएसएमई, उद्योग, पर्यटन, कौशल विकास, निर्यात संवर्धन, आधारभूत संरचना, निवेश प्रोत्साहन, डिजिटल सेवाओं एवं स्वरोजगार योजनाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही जनपद में निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार कर निवेशकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने अधिकारियों को शासन के निर्धारित लक्ष्यों एवं सूचकांकों के अनुरूप विभागवार कार्ययोजना तैयार कर नियमित समीक्षा करने, अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करते हुए विकास कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरतने की हिदायत दी। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बी.एस. यादव, उपायुक्त उद्योग सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिन जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया

योगाचार्य डॉ. प्रकाश चन्द ने कराया भोजन व वृक्षों का भंडारा, 2500 पौधे किए वितरित

वेलकम इंडिया संवाददाता

नूरपुर। राजा का ताजपुर स्थित राजविलास पैलेस में जड़ी-बूटी सप्ताह के अंतर्गत जनसेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित 15वें वृक्ष भंडारे में योगाचार्य डॉ. प्रकाश चन्द ने लगभग 2500 पौधों का निःशुल्क वितरण किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोगों ने भाग लिया। महिलाओं ने श्यामा तुलसी के पौधों को श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया। जिला प्रभारी अंजू अरोड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ जीवनशैली एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों का विशेष महत्व है। उन्होंने योगासन और पौधों को जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए सभी से अधिक से अधिक पौधारोपण करने का आह्वान किया। योगाचार्य डॉ. प्रकाश चन्द पिछले 15 वर्षों से अपने व्यक्तिगत खर्च पर वृक्ष भंडारे का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने हरसिंगार, नीम, गिलोय, तुलसी एवं आंवला सहित विभिन्न औषधीय पौधों के गुणों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अंकुरित अन्न को अनेक बीमारियों से बचाव करने वाला तथा अमृत तुल्य आहार बताया। इस अवसर पर पूर्व विधायक कमलेश सैनी, सत्येंद्र आर्य, डॉ. अरुण अग्रवाल, अशोक त्यागी, डॉ. रोहिताश सिंह, उमेश राणा, प्रमोद त्यागी, अनिल सिक्का, शिव कुमार, बी.आर. पाल, एस.के. मिश्रा, भारत भूषण, ललित गोस्वामी, रणधीर आर्य, अनिल कमल, देवराज महाराज सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर एसपी ने बृजघाट का किया निरीक्षण, सुरक्षा व यातायात व्यवस्था पर दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर। कांवड़ यात्रा-2026 एवं श्रावण मास के प्रथम सोमवार के अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के बृजघाट पहुंचकर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बैरिकेडिंग, गंगा घाटों तथा कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा सतर्क निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुचारु व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के खिलाफ कथित आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने के आरोप में त्रिलोकपुर पुलिस ने सोमवार को एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी संभावित संज्ञेय अपराध की रोकथाम के उद्देश्य से निरोधात्मक कार्रवाई की है। प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय के निर्देशन में पुलिस ने ग्राम गदाखौवा निवासी लवकुश गुप्ता पुत्र कल्लू गुप्ता को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, गांव के एक व्यक्ति ने बिस्कोहर चौकी प्रभारी को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया था कि युवक द्वारा सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के विरुद्ध आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित किया गया है, जिससे क्षेत्र का माहौल प्रभावित होने की आशंका थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170, 126 एवं 135 के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित कर शांति व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अमित कुमार शाही एवं मुख्य आरक्षी नीरज तिवारी शामिल रहे।

भाकियू की पंचायत में किसानों की समस्याओं पर हुआ मंथन, एसडीएम को सौंपा नौ सूत्रीय ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा। नगर के निरीक्षण भवन प्रांगण में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन की पंचायत आयोजित हुई। इसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की गई। पंचायत के समापन पर किसानों ने नौ सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी कुमार गौरव को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि ग्राम खुशहालपुर से टांडा बादली तक सड़क का मानक के अनुरूप चौड़ीकरण कराकर निर्माण कराया जाए। खाद वितरण की पुरानी व्यवस्था बहाल कर ई-टोकन व्यवस्था समाप्त की जाए। मिलक खुशहालपुर कब्रिस्तान से अलीपुरा तक सड़क का निर्माण पीडब्ल्यूडी के माध्यम से कराया जाए। खुशहालपुर में घनी आबादी से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन को तत्काल हटाया जाए। दढ़ियाल बिजलीघर से रोस्टिंग के नाम पर की जा रही बिजली कटौती बंद कर आपूर्ति सुचारु की जाए। इसके अलावा खतौनियों में अंश और नाम की गलतियां जल्द ठीक कराने, गांव में घूम रहे आवारा पशुओं के लिए ठहरने की व्यवस्था करने, जौहर यूनिवर्सिटी को तोड़े जाने से रोकने तथा खुशहालपुर के बंद पड़े सरकारी अस्पताल को कब्जामुक्त कराकर सुचारु रूप से संचालित कराने की मांग की गई। इस दौरान लगभग दर्जन भर लोगों ने भाकियू की सदस्यता ग्रहण की। पंचायत की अध्यक्षता सरदार कुलदीप सिंह ने की, जबकि संचालन नदीम अख्तर ने किया। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष जगजीत सिंह गिल, मंजीत सिंह अटवाल, सुखविंदर सिंह, गुरदीप सिंह, अजब सिंह, अमोल दीप सिंह, बलजीत सिंह, हैप्पी सिंह, पूरन सिंह चौहान, उमर फारुक, राशिद चौधरी, नईम प्रधान, रंजीत सिंह यादव, गुरप्रीत अटवाल, होरी लाल, अनीस अंसारी, नजाकत प्रधान, वारिस चौधरी, बाबर खान, मोनू खान, जावेद ठेकेदार, नाजिम सिद्दीकी और मुराद खां आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था में नई जिम्मेदारियां, मुकेश त्यागी, गुलशन त्यागी व पुनीत शर्मा का भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। राष्ट्रीय सैनिक संस्था जिला इकाई हापुड़ के तत्वावधान में रविवार को शिवपुरी स्थित मिलन पार्टी हॉल में 'कार्यकर्ता स्वागत एवं पत्रकार परिचय समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मुकेश त्यागी, शिक्षा विंग के जिला अध्यक्ष गुलशन त्यागी तथा स्पोर्ट्स विंग के जिला अध्यक्ष पुनीत शर्मा का फूल-मालाओं एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति, संगठनात्मक एकता और जनसेवा के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। समारोह में राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी (वीर चक्र) द्वारा जारी नियुक्ति-पत्र नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रदान किए गए। प्रदेश प्रवक्ता ज्ञानेन्द्र त्यागी ने कहा कि संगठन की नई टीम समाज सेवा, राष्ट्रहित और संगठन विस्तार को नई दिशा देगी तथा सभी पदाधिकारियों को जनकल्याणकारी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संरक्षक नरेन्द्र त्यागी ने की, जबकि संचालन जिला सचिव मुकेश प्रजापति ने किया। कार्यक्रम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश महिला ब्रिगेड की अध्यक्षा सुमन त्यागी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष चौधरी मनवीर सिंह (पूर्व वारंट ऑफिसर, वायुसेना) सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। वरिष्ठ समाजसेवी नानकचंद शर्मा ने कहा कि संस्था का उद्देश्य सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों का सम्मान करने के साथ-साथ समाज में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, सेवा, नैतिकता और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है। शिक्षा विंग के अध्यक्ष गुलशन त्यागी ने विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में प्रारंभिक सैन्य शिक्षा और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाने की मांग को जन-आंदोलन का रूप देने का संकल्प दोहराया। वहीं कवि विकास विजय त्यागी और अवनीत समर्थ ने देशभक्ति से ओतप्रोत कविताओं से उपस्थित लोगों में जोश भर दिया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मुकेश त्यागी ने कहा कि प्रारंभिक सैन्य प्रशिक्षण युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, आपदा प्रबंधन और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करता है, जबकि नैतिक शिक्षा चरित्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने इन दोनों विषयों को शिक्षा व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बनाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। स्पोर्ट्स विंग के जिला अध्यक्ष पुनीत शर्मा ने कहा कि संस्था स्कूलों और कॉलेजों के सहयोग से क्षेत्रीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास करेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाने, सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों के सम्मान को और अधिक सशक्त बनाने तथा 'राष्ट्र सर्वप्रथम' के मूल मंत्र के साथ समाज और राष्ट्र की सेवा का सामूहिक संकल्प लिया।

इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता ज्ञानेन्द्र त्यागी, जिला संरक्षक शशांक मुनि त्यागी, हरिराज सिंह, एडवोकेट मुकुल कुमार त्यागी, चौधरी निखिल त्यागी, श्याम वर्मा, रिशिपाल प्रजापति, राजकुमार वर्मा, दीपचंद प्रजापति, मुनेश त्यागी, मोनिका त्यागी, प्राची खुल्लर, दीपिका त्यागी, कुलदीप तोमर, अमित तोमर, अनिल त्यागी, रामकिशोर त्यागी, नवरत्न त्यागी, कैप्टन राजेश चौधरी, आदिल चौधरी, शाहिद अली, सतबीर प्रधान, एडवोकेट हरेंद्र त्यागी, एडवोकेट गजेन्द्र त्यागी, एडवोकेट डी.डी. हरित सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भीम सिंह हत्याकांड का खुलासा, सिम्भावली पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। थाना सिम्भावली पुलिस ने ग्राम अकबरपुर बुकलाना निवासी भीम सिंह की हत्या के मामले का सफल खुलासा करते हुए घटना में शामिल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त अवैध असलाह तथा डंडे भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई कार्रवाई में यह सफलता मिली। पूछताछ के बाद चारों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि भीम सिंह हत्याकांड के अनावरण के लिए पुलिस टीम लगातार जुटी हुई थी। साक्ष्यों के आधार पर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

तामेश्वरनाथ धाम में डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

जलाभिषेक कर भगवान शिव से प्रदेश व जनपद की सुख-समृद्धि की कामना, कानून व्यवस्था को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। श्रावण मास के प्रथम सोमवार के अवसर पर पौराणिक बाबा तामेश्वरनाथ धाम शिव मंदिर में उमड़ी शिवभक्तों की भारी भीड़ के बीच जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना की। दोनों अधिकारियों ने जनपदवासियों के सुख, समृद्धि एवं शांति की कामना करते हुए मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों के आवागमन, भीड़ प्रबंधन तथा अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रावण मास और कांवड़ मेले के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न होने पाए तथा सभी व्यवस्थाएं पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ संचालित की जाएं। अधिकारियों ने ड्यूटी में तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शिवभक्तों और कांवड़ यात्रियों के साथ सदैव विनम्र एवं शालीन व्यवहार किया जाए। कांवड़ मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वाहन की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को देकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि यदि किसी श्रद्धालु या कांवड़ यात्री की तबीयत खराब होती है अथवा कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही यातायात डायवर्जन योजना का कड़ाई से पालन कराते हुए सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। जलाभिषेक के लिए बनाई गई कतारों, बैरिकेडिंग एवं रूट डायवर्जन की व्यवस्था का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने मेला परिसर और आसपास सीसीटीवी कैमरों की प्रभावी निगरानी, अग्निशमन दल की तैनाती, स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी तथा खोया-पाया केंद्र की व्यवस्थाओं को और मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रत्येक अधिकारी अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन सुनिश्चित करे।

डीएम एवं एसपी ने मंदिर परिसर, पंडाल, पोखरे के आसपास तथा अन्य संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए तथा भीड़ प्रबंधन पूरी मुस्तैदी से किया जाए। दोनों अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से आपसी सौहार्द, शांति एवं अनुशासन बनाए रखते हुए भगवान शिव का जलाभिषेक करने की अपील की। इस दौरान कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था में तैनात प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, कर्मचारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में 26 शिकायतें हुई दर्ज

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। जलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई।इस दौरान सड़क, आधारभूत ढांचा, विद्युत, पेयजल आपदा सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुईं। अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया। विद्युत बिलों में मिल रही विसंगतियों पर जिलाधिकारी ने यूपीसीएल के अधिशासी अभियंता को कड़ी फटकार लगाते हुए एक माह के भीतर सभी बिलों की जांच कर त्रुटियों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं को किसी भी स्थिति में अनावश्यक अथवा अतिरिक्त भुगतान के लिए बाध्य न किया जाए। निर्धारित समयावधि के बाद भी लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पोर्टल एवं जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक सोमवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई में सभी जिला स्तरीय अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा आमजन की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुनकर उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के दौरान सीएम हेल्पलाइन एवं हेलो बागेश्वर पर प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई। संबंधित विभागीय अधिकारियों से शिकायतों के संबंध में जवाब-तलब करते हुए सीएम हेल्पलाइन पर शत-प्रतिशत कॉलिंग सुनिश्चित करने तथा शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, सीडीओ नरेश कुमार सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बिछुआ कुंड का घटता हुआ जलस्तर बना चिंता का विषय, मछलियों की मौत रोकने को नगर पंचायत से लगाई गुहार

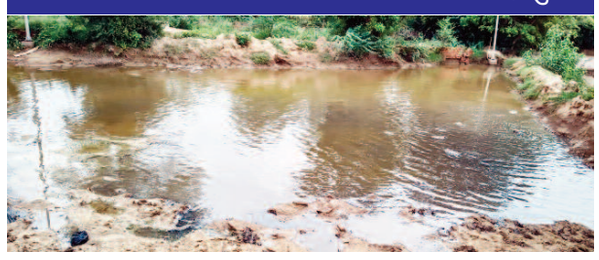

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक एवं पवित्र बिछुआ कुंड का लगातार घटता जलस्तर अब पर्यावरणीय चिंता का विषय बन गया है। जल की कमी के कारण कुंड में रहने वाली मछलियों की मौत हो चुकी है, जबकि शेष जलजीव भी संकट में बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने स्थिति को गंभीर बताते हुए नगर पंचायत प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इस संबंध में नगर पंचायत गोवर्धन के अधिशासी अधिकारी एवं अध्यक्ष को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर कुंड में तत्काल जलापूर्ति कराने, मृत मछलियों को निकालकर सफाई कराने तथा भविष्य में जलस्तर बनाए रखने के लिए स्थायी व्यवस्था करने की मांग की गई है। बृज क्षेत्र के पवित्र धाम गिर्राज जी स्थित कुंड में लगातार मछलियों की मौत से स्थानीय निवासियों के साथ-साथ श्रद्धालुओं में भी भारी रोष है। आवेदन में कहा गया है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो कुंड का संपूर्ण जलीय जीवन समाप्त होने का खतरा पैदा हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिछुआ कुंड धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर कुंड के संरक्षण एवं जलीय जीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

जमीन पर से कब्जा हटाए जाने की मांग को लेकर आमरण अनशन में पूर्व सैनिक

जिलाधिकारी कार्यालय में शुरू किया आमरण अनशन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। अपनी पुश्तेनी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा होने की शिकायत पर जिला प्रशासन और सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने के बाद अब तक सहयोग नही मिलने से नाराज कांडा तहसील क्षेत्र के मजगांव भँतोला निवासी पूर्वसैनिक महिपाल सिंह रावत ने अपने भतीजे संजय के साथ अब जिलाधिकारी कार्यालय में आमरण अनशन शुरू कर दिया है। उनके आंदोलन को बागेश्वर संघर्ष वाहिनी ने भी समर्थन दिया। संघर्ष वाहिनी के अध्यक्ष कवि जोशी ने पूर्व सैनिक की जमीन पर जबरन कब्जा और कब्जा हटाने को लेकर शिकायत के बाद भी जिला प्रशासन द्वारा सैनिक को शिकायत के निराकरण को लेकर सन्तुष्ट नही किए जाने और अपनी जमीन बचाने हेतु आंदोलन को मजबूर होने और देश सेवा के बाद सरकार द्वारा सैनिकों के सम्मान के दावे के बाद एक पूर्व सैनिक का अपनी जमीन को बचाने हेतु आमरण अनशन पर बैठने को पूर्व सैनिकों के हितों के साथ खिलवाड़ किए जाने की बात कही और शीघ्र जिलाप्रशासन से पूर्व सैनिक की मांगों का निराकरण किए जाने की मांग की।आंदोलन में बैठे महिपाल सिंह रावत ने बताया कि उन्होंने 9 जुलाई को उपजिलाधिकारी, कांडा को शिकायत देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोग उनकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से भूमि की सुरक्षा और सीमांकन की मांग की। इसके लिए 11 जुलाई को भूमि की पैमाइश के लिए दो हजार रुपये का ऑनलाइन चालान भी जमा कराया।उन्होंने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और बाद में 22 जुलाई को जिलाधिकारी कार्यालय में भी की, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

उनका कहना है कि 11 दिन बाद फिर तहसील प्रशासन गांव पहुंचा और भूमि को सरकारी बताते हुए लौट गया। पूर्व सैनिक का दावा है कि गांव में करीब 150 नाली भूमि उनके और उनके दो भाइयों के नाम दर्ज है तथा जिस भूमि पर कब्जे का प्रयास किया जा रहा है, उसकी देखरेख उनका परिवार पिछले 60 वर्षों से करता आ रहा है। उन्होंने न्याय नही मिलने तक अपना आंदोलन जारी रखने की घोषणा की। धरने को समर्थन देने के लिए संघर्ष वाहिनी के अध्यक्ष कवि जोशी, अंकुर उपाध्याय, नवीन जोशी और वीरेंद्र नेगी भी कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

सावन के प्रथम सोमवार पर रत्नेश्वर महादेव मंदिर पर लगे बोल बम के जयकारे

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/छाता। नगर के मैन बाजार स्थित रत्नेश्वर महादेव मंदिर पर सावन के प्रथम सोमवार पर जलाभिषेक करने वालो शिव भक्तों की भारी भीड़ रही। देवकी नंदन पुजारी ने बताया सावन प्रारंभ होते ही शिव मंदिरों में भक्तों की कतार प्रारंभ हो जाती है, प्रथम सोमवार पर प्रातः काल से ही रत्नेश्वर महादेव मंदिर पर जलाभिषेक करने वाले भक्तों की भीड़ लगी रही, छोटे बच्चों से लेकर वृद्ध माताओं द्वारा जलाभिषेक किया गया। दोपहर को विश्व शांति के लिए वैदिक मंत्रों के द्वारा शिव रुद्राभिषेक भी किया गया। शाम को महिला भक्त मंडल की सुनीता जी द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन भी किया गया, जिसमें महिला भक्तों के द्वारा बाबा भोले नाथ को भजनों के द्वारा रिझाया गया, बड़े भाव से नृत्य भाव में मग्न होकर भक्तों ने कीर्तन का आनंद लिया ततपश्चात सभी को फल एवं प्रसाद का वितरण किया गया।

स्कूल मार्ग पर जलभराव से ग्रामीण परेशान, सपा छात्र सभा ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। समाजवादी छात्र सभा, कलीनगर के नगर अध्यक्ष अमन अली के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उपजिलाधिकारी कलीनगर को ज्ञापन सौंपकर ग्राम पंचायत टांडा गुलाबराय के विकास खंड पूरनपुर स्थित एक मार्ग पर लंबे समय से हो रहे जलभराव की समस्या के समाधान की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि कब्रिस्तान से लेकर युसुफ अली के घर तक जाने वाली सड़क काफी जर्जर हो चुकी है। बरसात के दिनों में सड़क पर पानी भर जाने से लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है, जिन्हें रोजाना जलभराव के बीच होकर स्कूल जाना पड़ता है। ग्रामीणों को भी आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय तक जलभराव रहने से संक्रामक और गंभीर बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में पहले भी ग्राम पंचायत अधिकारियों को कई बार प्रार्थना पत्र दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।समाजवादी छात्र सभा ने एसडीएम से मांग की है कि मामले का तत्काल संज्ञान लेकर जल निकासी और सड़क की मरम्मत कराई जाए, ताकि ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने वालों में नगर अध्यक्ष अमन अली, फारूक, मुमताज, रहमत शाह शाकीर शाह, अयुब, जाकिर सहित संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हुड़दंग मचा रहे पांच व्यक्तियों को पुलिस ने सिखाया सबक

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। ऑपरेशन प्रहार के तहत कोतवाली बागेश्वर पुलिस क्षेत्र में शांति व्यवस्था बाधित करने, उत्पात मचाने वालों के खिलाफ सख्ती बरत रही है।कोतवाली पुलिस को सूचना मिली की कुछ व्यक्ति मंडलसेरा के पास आपस में विवाद एवं हंगामा कर क्षेत्र की शांति व्यवस्था भंग कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल कोतवाल अनिल उपाध्याय ने एसएसआई निर्मला पटवाल ने पुलिस टीम मौके पर भेजी तथा यथास्थिति को देखते हुए आमजन से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। पर चेतावनी के बाद भी उत्पात मचा रहे लोगों द्वारा पुलिस की अपील को दरकिनार करते हुए कानून का उल्लंघन करना करना महंगा पड़ गया।कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शांति व्यवस्था भंग की आशंका को देखते हुए पांच व्यक्तियों को धारा 170 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता अंतर्गत गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में जीवन सिंह पुत्र खीम सिंह निवासी पीपल चौक मंडलसेरा, साहिल कुमार पुत्र राजेंद्र प्रसाद निवासी भुल्यूड़ा मंडलसेरा, विनोद कुमार पुत्र डूंगर राम निवासी मंडलसेरा, राहुल कुमार पुत्र गिरीश राम निवासी जिमखोला मंडलसेरा तथा ललित आर्या पुत्र मनोहर राम निवासी जिमखोला शामिल हैं। वही कोतवाल अनिल उपाध्याय ने बताया कि क्षेत्र में लगातार पुलिस टीम शांति व्यवस्था बनाने हेतु लोगों को जागरूक कर मित्र पुलिस को सहयोग करने हेतु अभियान चला रही है।लोगों को विभिन्न प्रकार की कानूनी जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। साथ ही बताया कि कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सावन के प्रथम सोमवार पर डीएम-एसएसपी ने मंदिरों व कांवड़ मार्ग का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। पवित्र श्रावण माह के प्रथम सोमवार के अवसर पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने श्री चिंताहरण महादेव मंदिर तथा आसपास के घाटों का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। अधिकारियों ने सीसीटीवी कंट्रोल व्यवस्था का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल, यातायात एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके उपरांत डीएम और एसएसपी ने कांवड़ यात्रा मार्ग का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लक्ष्मी नगर, लक्ष्मी नगर तिराहा, यमुना एक्सप्रेस-वे राया कट, थाना राया क्षेत्र के बिचपुरी चौकी से लेकर अलीगढ़ बॉर्डर तक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। एसएसपी श्लोक कुमार ने कांवड़ मार्ग में पर्याप्त पुलिस फोर्स के साथ-साथ हाइवे आदि मार्ग पर कांवड़ियों की सुरक्षा हेतु ट्रैफिक पुलिस को विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि रास्ते में ट्रैफिक पुलिस विशेष इंतजाम कर कांवड़ियों को सुगम यात्रा सुनिश्चित करे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से भी शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से यात्रा करने की अपील की है।

ग्रामीणों से सीधा संवाद कर धनपति वर्मा ने जाना जनदर्द, संघर्ष का दिलाया भरोसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी अधिवक्ता सभा के 128 विधानसभा बरखेड़ा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजवादी नेता धनपति वर्मा एडवोकेट ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा किसानों, नौजवानों, महिलाओं, मजदूरों और गरीबों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी पूरी मजबूती से संघर्ष जारी रहेगा। जनसंपर्क अभियान के तहत धनपति वर्मा ने ग्राम अरसिया बोझ, अधकटा, जगदीशपुर, गहलुइया, पिपरिया मंडन, खरगापुर, परैवा अनूप, परोई, मुरैना गौटिया, पचपेड़ा पुरवा, वरीमऊ, रम्पुरा नत्थो, गजरहा, मसीत, दौलतपुर पट्टी, लखनऊ कलां, प्रतापदाड़ी सहित कई गांवों का दौरा किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और आश्वासन दिया कि जनहित से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को मजबूती के साथ उठाया जाएगा।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए धनपति वर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई और बेरोजगारी की दोहरी मार झेल रही है। किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, जबकि युवा रोजगार की तलाश में दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन गांवों की वास्तविक तस्वीर इससे बिल्कुल अलग है। सड़क, बिजली, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं के अभाव में ग्रामीणों को आज भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अपराध की घटनाओं से आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। उनका आरोप था कि सरकार जनता की मूल समस्याओं का समाधान करने के बजाय केवल प्रचार-प्रसार में व्यस्त है।

धनपति वर्मा ने पार्टी कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुने, समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाए और जनता के अधिकारों की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जनता की हर आवाज को सड़क से लेकर सदन तक पूरी ताकत के साथ उठाया जाएगा।

इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की सड़क, बिजली, पेयजल, विकास कार्यों सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। कार्यक्रम में डॉ. ऋषिपाल वर्मा, कामता प्रसाद, राजीव कुमार वर्मा, सतीश कुमार वर्मा, वीर प्रताप सिंह, सुरेश चंद्र, सेवाराम, जगदीश लोधी, शोभित, वेद प्रकाश दीक्षित, शंकर लाल, अरमान अली, अरविंद राजपूत, प्रशांत कुमार गंगवार सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

मूल विद्यालय वापसी की मांग पर शिक्षामित्रों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

लिखित आश्वासन नहीं मिलने पर बीएसए कार्यालय पर डटे सैकड़ों शिक्षामित्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के बैनर तले जिला अध्यक्ष खेम सिंह चौधरी के नेतृत्व में सोमवार को सैकड़ों शिक्षामित्रों ने मूल विद्यालय वापसी, स्थानांतरण सहित विभिन्न मांगों को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। शिक्षामित्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर लिखित आश्वासन नहीं दिया जाएगा, तब तक दिन-रात धरना जारी रहेगा।

धरना स्थल पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति में प्रभारी बीएसए दिनेश चंद त्रिपाठी ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। उन्होंने बताया कि बीएसए रतन कीर्ति जनपद से बाहर हैं और उनके लौटते ही मूल विद्यालय वापसी एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी करा दी जाएगी। हालांकि शिक्षामित्रों ने मौखिक आश्वासन स्वीकार करने से इनकार करते हुए इसे लिखित रूप में देने की मांग की। प्रभारी बीएसए ने इस संबंध में फोन पर बीएसए रतन कीर्ति से बातचीत की, लेकिन उन्होंने लिखित आश्वासन जारी करने से इंकार कर दिया। इसके बाद शिक्षामित्रों ने ऐलान किया कि जब तक लिखित आदेश नहीं मिलता, तब तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। शिक्षामित्रों की प्रमुख मांग है कि 12 दिसंबर 2025 को बेसिक शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी आदेश के अनुसार शिक्षामित्रों को उनके मूल विद्यालय में वापस भेजा जाए तथा महिला शिक्षामित्रों का स्थानांतरण उनके ससुराल के निकट स्थित विद्यालयों में किया जाए। धरना-प्रदर्शन में दीपक गुप्ता, मुंशिफ अली, राम कुमार, योगेंद्र सिंह, तेजवीर सिंह, प्रहलाद सिंह, रामवीर सिंह छोंकर, शिवकुमार शर्मा, अनिता चतुर्वेदी, पीतांबर चौधरी, बनी सिंह सागर, भगवान सिंह, सविता डागर, गुंजन शर्मा, कविता, हेमा, लक्ष्मी यादव, मंजू, भूपेंद्री, पुष्पेंद्र, नरदेव, सतीश कुमार, राजवीर सिंह, देवी सिंह, रीना, सुनीता, मीना देवी सहित सैकड़ों शिक्षामित्र मौजूद रहे।

डीएम ने दो गो-आश्रय स्थलों का किया औचक निरीक्षण

भूसा-चारा, साफ-सफाई और गोवंशों के स्वास्थ्य पर दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने सेमरियांवा विकास खंड के गो-आश्रय स्थल जिगिना तथा बेलहर कला विकास खंड के गो-आश्रय स्थल भगौसा का औचक निरीक्षण कर गोवंशों के रखरखाव, स्वास्थ्य, भूसा, हरे चारे, पेयजल एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिगिना गो-आश्रय स्थल से 14 गोवंशों को शिवापार गो-आश्रय स्थल में स्थानांतरित करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया। वहीं तीन गोवंश बीमार पाए गए, जिनका पशु चिकित्सक द्वारा उपचार किया जा रहा था। गौशाला में तीन केयरटेकर कार्यरत मिले। जिगिना गो-आश्रय स्थल के समीप उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) द्वारा निमार्णाधीन नाली की गुणवत्ता संतोषजनक न मिलने पर जिलाधिकारी ने संबंधित खंड विकास अधिकारी को जांच टीम गठित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही गौशाला के पीछे स्थित स्वास्थ्य केंद्र की खाली पड़ी भूमि का उपयोग गो-आश्रय स्थल के विस्तार के लिए किए जाने का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। इसके बाद जिलाधिकारी ने गो-आश्रय स्थल भगौसा का निरीक्षण कर गोवंशों के स्वास्थ्य, चारा, पानी एवं साफ-सफाई की स्थिति देखी। यहां छह केयरटेकर कार्यरत मिले। निरीक्षण के दौरान गोबर की खाद का उचित उपयोग न होने पर उन्होंने ग्राम प्रधान को निर्देश दिया कि खाद को वन विभाग, उद्यान विभाग अथवा नर्सरियों को उपलब्ध कराया जाए या आवश्यकता होने पर निजी लोगों को बेच दिया जाए। गौशाला में साफ-सफाई की कमी मिलने पर जिलाधिकारी ने नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर, फिनाइल आदि का प्रयोग कर सफाई कराने के निर्देश दिए।

ओहो रेडियो 89.2 एफएम का शुभारंभ

रेडियो जनसंवाद एवं जनजागरूकता का एक सशक्त माध्यम है: धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। ओहो रेडियो 89.2 एफएम के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि निश्चित रूप से ओहो रेडियो सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेडियो जनसंवाद एवं जनजागरूकता का एक सशक्त माध्यम है, जो शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सरोकारों और महत्वपूर्ण सूचनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रदेश सरकार रेडियो सहित संचार के विभिन्न माध्यमों को प्रोत्साहित करने के साथ ही इनके माध्यम से उत्तराखण्ड की समृद्ध संस्कृति, लोकभाषा, लोककला एवं स्थानीय प्रतिभाओं को व्यापक मंच प्रदान करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

जलभराव और कीचड़ से ध्वस्त हुआ गांव का रास्ता, 10 घरों का आवागमन प्रभावित

वेलकम इंडिया/विजय द्विवेदी

प्रतापगढ़। बाबागंज विकासखंड की ग्राम सभा ऐमापुर बिंधन स्थित बहादुर का पुरवा गांव का संपर्क मार्ग जलभराव और कीचड़ के कारण बदहाल हो गया है। सड़क पर लगभग एक फीट गहरा गड्ढा बन जाने से उसमें पानी भर गया है, जिससे ग्रामीणों का आवागमन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीण वरुण मिश्रा, ननकू तिवारी, प्रमोद तिवारी और दुर्गेश तिवारी ने बताया कि सड़क की मरम्मत को लेकर कई बार ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव और खंड विकास अधिकारी बाबागंज से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण मार्ग पूरी तरह जर्जर हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क खराब होने से करीब 10 परिवारों का आवागमन प्रभावित है। चार पहिया वाहन गांव के बाहर राम मणि तिवारी उर्फ छोटे के घर के सामने ही खड़े करने पड़ते हैं, क्योंकि खराब रास्ते के कारण वाहन गांव के भीतर नहीं जा पाते। सोमवार को ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी बाबागंज से मार्ग की तत्काल मरम्मत कराकर आवागमन सुचारु कराने की मांग की। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी बाबागंज विजय शंकर मणि त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी और शीघ्र ही सड़क की समस्या का समाधान कराया जाएगा।

खेत पर काम कर रहे किसान पुत्र को सांप ने डसा, जिला अस्पताल रेफर

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव आल्दी में खेत पर कृषि कार्य कर रहे एक किसान के पुत्र को सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उपचार के लिए नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।गांव आल्दी निवासी किसान अमर सिंह पुत्र धर्मपाल अपने खेत में कृषि कार्य कर रहा था। इसी दौरान उसे अचानक सांप ने डस लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, जिससे परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। परिजन उसे नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।सीएचसी में तैनात डॉ. रवि ने बताया कि प्राथमिक उपचार दिया गया, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है।

जुए की लत में पति ले गया मकान निर्माण के 1.30 लाख रुपये, महिला ने थाने में दी तहरीर

वेलकम इंडिया मोहसीन रहमानी

कांधला। कस्बे की एक महिला ने अपने पति पर घर में रखे 1.30 लाख रुपये लेकर जुआ खेलने जाने का आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस को तहरीर देकर पति के खिलाफ कार्रवाई के साथ ही क्षेत्र में संचालित कथित जुए के अड्डों पर भी कार्रवाई की मांग की है।कस्बा निवासी सलमा ने सोमवार को थाने में दी तहरीर में बताया कि उसका पति जुआ खेलने का आदी है। आरोप है कि गंगेरू मार्ग पर कथित रूप से जुए का कारोबार संचालित होता है, जहां उसका पति अक्सर जुआ खेलने जाता है। महिला का कहना है कि उसने मेहनत-मजदूरी कर मकान निर्माण के लिए 1.30 लाख रुपये जमा किए थे, जिन्हें उसका पति घर से लेकर चला गया।पीड़िता ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई। उसने पुलिस से पति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने के साथ-साथ क्षेत्र में संचालित कथित जुए के कारोबार पर भी रोक लगाने की मांग की है।महिला की शिकायत के बाद एक बार फिर क्षेत्र में जुए के कारोबार को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, पुलिस की ओर से मामले में अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अब यह देखना होगा कि पुलिस शिकायत की जांच कर क्या कार्रवाई करती है।वहीं, स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

किसानों को निःशुल्क पौध, मटर व विभिन्न सब्जियों के वितरित किए

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उद्यान विभाग द्वारा संचालित बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत मसूरी के बुरांशखंडा में किसानों को वर्षाकालीन निःशुल्क पौध, मटर व विभिन्न सब्जियों के बीज वितरित किए गए। इस अवसर पर कृषि मंत्री उत्तराखंड श्री गणेश जोशी ने किसानों से संवाद कर उन्हें सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि एवं बागवानी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि पहाड़ की कृषि को आधुनिक व समृद्ध बनाना हमारी प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री के विजन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार बीज से लेकर बाजार तक किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को क्षेत्र में सेब-कीवी बागवानी व पॉलीहाउस खेती की जानकारी गाँव-गाँव पहुँचाने तथा सुवाखोली में सरकारी योजनाओं का लाभ क्षेत्रवासियों तक पहुँचाने के लिए विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं।

व्यापारी को सिपाही ने फोन पर दी जान से मारने की धमकी, ऑडियो वायरल

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत, कार्रवाई और सुरक्षा की मांग; मामला बना चर्चा का विषय

वेलकम इंडिया मोहसीन रहमानी

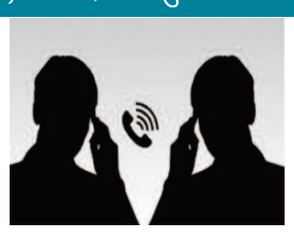

कांधला। कस्बे के एक व्यापारी के साथ थाने पर तैनात एक सिपाही द्वारा कथित रूप से फोन पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का एक और ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। आरोप है कि शिकायत किए जाने के बावजूद संबंधित सिपाही के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित व्यापारी ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए सुरक्षा और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।कस्बा निवासी सचिन, जो दिल्ली रोड पर हलवाई की दुकान संचालित करते हैं, का आरोप है कि कुछ दिन पहले थाने पर तैनात एक सिपाही ने उनसे अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से कर अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई। व्यापारी का आरोप है कि शिकायत से नाराज सिपाही ने दोबारा फोन कर फिर से गाली-गलौज की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। इसी बातचीत का कथित ऑडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है, जिससे क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।पीड़ित व्यापारी का कहना है कि प्रदेश सरकार व्यापारियों की सुरक्षा का दावा करती है, लेकिन उन्हें बदमाशों से अधिक वर्दीधारी से खतरा महसूस हो रहा है।वर्दी में तैनात सिपाही की तैनाती दिल्ली बस स्टैंड पर है और उसके पास 24 घंटे सरकारी असलाह भी मौजूद रहता है।आरोप है कि ऑडियो वायरल होने के बावजूद संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।व्यापारी ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर मामले की निष्पक्ष जांच कराने, संबंधित सिपाही के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा अपने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। खबर लिखे जाने तक मामले में पुलिस की ओर से कोई भी बयान जारी नहीं किया गया था।

सावन के पहले सोमवार पर नगर व क्षेत्र के शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

वेलकम इंडिया मोहसीन रहमानी

कांधला। श्रावण मास के पहले सोमवार पर नगर एवं क्षेत्र के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।नगर और आसपास के विभिन्न शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। पूरा वातावरण हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से शिवमय हो उठा। शिवभक्तों ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि, खुशहाली और विश्व कल्याण की कामना की। नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिवालयों में पहुंचे। भक्तों ने गंगाजल, दूध, दही, शहद, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर भगवान शिव का विधि-विधान से अभिषेक किया। महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ पूजा-अर्चना कर भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दिव्यांगता बनी सेवा का संकल्प: खुद पूर्ण दिव्यांग, फिर भी 25 वर्षों से दूसरों का सहारा बने प्रमोद कुमार दूबे

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जहां अधिकांश लोग अपनी परेशानियों में उलझे रहते हैं, वहीं पूर्ण दिव्यांग होने के बावजूद लगभग 25 वर्षों से दिव्यांग संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद कुमार दूबे दूसरों की मदद को अपना जीवन का उद्देश्य बना चुके हैं। जिला चिकित्सालय से लेकर अन्य कार्यों को लेकर दिव्यांगजनों के लिए वह एक भरोसेमंद सहारा बन गए हैं। प्रमोद कुमार दूबे दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल व अन्य उपकरण, आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने, आवेदन प्रक्रिया समझाने तथा संबंधित विभागों तक पहुंच बनाने में दिव्यांगजनों की निस्वार्थ भाव से सहायता करते हैं। उनकी सक्रियता के कारण दूर-दराज से आने वाले अनेक दिव्यांगजन बिना भटकाव के अपना कार्य आसानी से पूरा कर पा रहे हैं। दिव्यांगजन और उनके परिजनों का कहना है कि प्रमोद कुमार दूबे हर जरूरतमंद की समस्या को अपनी समस्या मानकर पूरी संवेदनशीलता के साथ सहयोग करते हैं। उनकी विनम्रता, सेवा भावना और समर्पण ने उन्हें दिव्यांगजनों के बीच एक सम्मानित पहचान दिलाई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि समाज में ऐसे लोग प्रेरणा के स्रोत हैं, जो अपनी शारीरिक चुनौतियों को पीछे छोड़कर मानव सेवा का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रमोद कुमार दूबे की यह निस्वार्थ सेवा न केवल दिव्यांगजनों के लिए संबल है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश भी है।

एक वर्षीय परीक्षण में प्रथम रहे अर्जुन जावला, रक्षा प्रमुख ने किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। क्षेत्र के गांव हुरमजपुर निवासी अर्जुन जावला पुत्र ताहर सिंह ने एक वर्षीय परीक्षण में प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव तथा भारत के रक्षा प्रमुख जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि ने सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।सम्मान समारोह में अर्जुन की प्रतिभा, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। देश के शीर्ष रक्षा नेतृत्व के हाथों सम्मानित होना अर्जुन और उनके परिवार के लिए गौरव का क्षण रहा। अर्जुन की सफलता पर गांव हुरमजपुर सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिजनों, ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने कठिन परिश्रम, लगन और अनुशासन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। परिवार ने उनकी सफलता का श्रेय गुरुजनों के मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग को दिया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि अर्जुन भविष्य में भी नई उपलब्धियां हासिल कर जनपद और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

समरसता का कलश लेकर निकली वंदन यात्रा, गांव-गांव पहुंचेगा रविदास का संदेश

पवित्र माटी का कलश बना एकता का प्रतीक, शुरू हुई कलश वंदन यात्रा

वेलकम इंडियासंदीप तिवारी

मिजार्मुराद/रोहनिया। सोमवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की पावन जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर की पवित्र माटी को लेकर कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा का आगाज भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय, रोहनिया से किया गया।भाजपा जिलाध्यक्ष रामशकल पटेल ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।आयोजकों के अनुसार यह यात्रा गुरु रविदास जी के समरसता, समानता और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकाली गई है। यात्रा में सीर गोवर्धनपुर की पवित्र माटी से भरे कलश को प्रमुखता से रखा गया है।यह यात्रा राजातालाब मंडल के पांच गांवों में पहुंची। निर्धारित कार्यक्रम के तहत यात्रा भीमचंडी, भिखारीपुर, चंदापुर, सिंगही और मिल्कीपुर ग्रामों में पहुंचकर स्वागत कार्यक्रमों में शामिल हुआ।प्रत्येक स्थान पर कलश का पूजन कर गुरु रविदास जी के विचारों पर चर्चा की गई।भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि गुरु रविदास जी का जीवन और शिक्षाएं समाज में भेदभाव मिटाकर एकता स्थापित करने की प्रेरणा देती हैं। इसी भावना को आगे बढ़ाने के लिए यह कलश वंदन यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा के दौरान स्थानीय लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर कलश का स्वागत किया। इस दौरान प्रमुख रूप से भाजपा जिला महामंत्री संजय सोनकर, भाजपा जिला मंत्री अश्वनी पांडेय, वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव सिंह गौतम, जिलाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा विजय राज यादव, जिलाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति ओमप्रकाश प्रियदर्शी, जिला महामंत्री किसान मोर्चा प्रेमशंकर पाठक, अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', जिला प्रतिनिधि बृजेश राजभर, लोहता मंडल अध्यक्ष ज्ञानचंद्र पटेल, राजातालाब मंडल अध्यक्ष सुजीत पाल, वीरेंद्र पटेल, जगदीश जायसवाल, अमित पटेल 'रिंकू', कुलदीप पटेल, अजय पटेल, ओमप्रकाश पटेल, मुकेश समेत सैकड़ो कार्यक्रम मौजूद रहे।

शुकुल बाजार में चोरों के हौसले बुलंद, साप्ताहिक बाजार से बाइक और सीएचसी से रिक्शा चोरी

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमेठी। थाना बाजार शुक्ल क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने आमजन की चिंता बढ़ा दी है। साप्ताहिक बाजार से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर तक चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। लगातार हो रही चोरियों से क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल है। पीड़ितों ने थाना बाजार शुक्ल में तहरीर देकर चोरी गए वाहन बरामद करने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम किश्ती नगर सुबेहा निवासी अरुण कुमार पुत्र रामनिवाज रविवार, 2 अगस्त 2026 को शुकुल बाजार के साप्ताहिक बाजार में सब्जी खरीदने आए थे। उन्होंने अपनी स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (यूपी-41 बीए-9203) बाजार में खड़ी की थी। खरीदारी के बाद लौटने पर उनकी बाइक मौके से गायब मिली। आसपास काफी तलाश करने के बावजूद जब कोई सुराग नहीं मिला तो उन्होंने थाना बाजार शुक्ल पहुंचकर लिखित तहरीर दी और वाहन बरामद किए जाने की मांग की। दूसरी घटना में ग्राम पूरे शुक्लन निवासी राम सुफल गौतम 28 जुलाई 2026 को अपने मरीज को रिक्शे से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शुकुल बाजार आए थे। मरीज का उपचार कराने के दौरान अस्पताल परिसर में खड़ा उनका रिक्शा अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। काफी खोजबीन के बाद भी रिक्शा नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने भी थाना बाजार शुक्ल में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुकुल बाजार के साप्ताहिक बाजार में आए दिन मोबाइल, मोटरसाइकिल, साइकिल और अन्य सामान चोरी होने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। लगातार हो रही वारदातों से व्यापारियों, मरीजों और बाजार आने वाले लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त है।

श्रावणी तीज मेले में नारी शक्ति और लोक संस्कृति का संगम

महिला मंडल काशी के आयोजन में 70 से अधिक स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। महिला मंडल काशी द्वारा आयोजित श्रावणी तीज मेला-2026 महमूरगंज स्थित शुभम बैंक्वेट एंड हॉल में पारंपरिक उल्लास एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। संस्था की 51 वर्षों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवाभावी यात्रा को समर्पित इस आयोजन में वाराणसी सहित विभिन्न शहरों की सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेले में वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं ने अपने हुनर, स्वरोजगार और सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 70 से अधिक स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों पर हस्तशिल्प, पारंपरिक परिधान, गृह सज्जा, खाद्य सामग्री, सौंदर्य प्रसाधन तथा लोककला से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की गई, जिसने आगंतुकों का विशेष आकर्षण बटोरा। महिला मंडल काशी की अध्यक्ष रीता प्रकाश एवं मंत्रिणी पल्लवी अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 1934 में रत्नेश्वरी देवी की दूरदृष्टि और सेवाभाव से संस्था की स्थापना हुई थी। बाद में काशी के प्रतिष्ठित परिवारों की महिलाओं ने इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महिलाओं को पर्दा प्रथा से बाहर लाने के अभियान में भी संस्था की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कार्यक्रम संयोजिका बेला अग्रवाल, मालिनी चौधरी, श्वेता शाह एवं सीमा अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष मेले का विस्तार करते हुए काशी के अलावा कोलकाता, अहमदाबाद, कानपुर, दिल्ली, इलाहाबाद, कोटा, पटना, बेंगलुरु और जयपुर से भी प्रतिभागियों ने स्टॉल लगाए। उन्होंने बताया कि पूरे मेला परिसर में प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रखा गया। मेले में महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष मृदुला रानी, वीणा गुप्त, अवंतिका गुप्त, डॉ. रूबी शाह, अलका देवा, प्रेमा अग्रवाल, मंजू अग्रवाल सहित शहर की अनेक प्रतिष्ठित महिलाएं, समाजसेवी, शिक्षिकाएं, युवा उद्यमी और साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। जनसामान्य की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया।

पप्पू यादव के बयान के विरोध में विश्व हिन्दू रक्षा परिषद का प्रदर्शन, पुतला फूंका

सनातन धर्म के अपमान का आरोप लगाते हुए सार्वजनिक माफी की मांग

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। विश्व हिन्दू रक्षा परिषद (वीएचआरपी) द्वारा रविवार को सर्किट हाउस स्थित जिला मुख्यालय कचहरी पर सांसद पप्पू यादव के कथित सनातन-विरोधी बयान के विरोध में प्रदर्शन किया गया तथा उनका पुतला फूंका गया। प्रदर्शन के दौरान विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय मंत्री राजेश मौर्य एवं अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि सनातन धर्म, साधु-संतों और धार्मिक परंपराओं के प्रति अपमानजनक टिप्पणियां किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएंगी। उनका आरोप था कि पप्पू यादव द्वारा संत समाज और भगवा वस्त्र को लेकर की गई टिप्पणी करोड़ों सनातनियों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि किसी एक व्यक्ति के आचरण के आधार पर पूरे संत समाज पर टिप्पणी करना अनुचित है। उनका कहना था कि संत परंपरा भारतीय संस्कृति, सभ्यता और सनातन मूल्यों की पहचान है तथा इसकी गरिमा पर प्रश्नचिह्न लगाना निंदनीय है।

पदाधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि पप्पू यादव द्वारा पहने गए कुर्ते पर श्रीराम मंदिर का चित्र अंकित था, जिसे उन्होंने धार्मिक आस्था से जुड़ा विषय बताते हुए इसकी पवित्रता बनाए रखने की बात कही। उनका कहना था कि श्रीराम मंदिर करोड़ों लोगों की श्रद्धा का प्रतीक है और इससे जुड़े विषयों पर संवेदनशीलता बरती जानी चाहिए। विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के पदाधिकारियों ने सरकार से मांग की कि पप्पू यादव अपने बयान पर देश के सनातनी समाज एवं संत समुदाय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि संगठन सनातन धर्म और धार्मिक आस्थाओं के सम्मान की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेगा। प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष (विधि प्रकोष्ठ) प्रवीश पांडेय, राष्ट्रीय मंत्री कृष्णा पांडेय एवं राष्ट्रीय मंत्री राजेश मौर्य ने किया। इस दौरान महासचिव ओपी कश्यप, वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारतीय जन क्रांति परिषद के राष्ट्रीय सचिव बने कृष्ण कन्हैया अग्रवाल का सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। भारतीय जन क्रांति परिषद (आस्था) की ओर से दुगाकुंड स्थित शनि धाम सरकार में संगठन के नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव कृष्ण कन्हैया अग्रवाल के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं शनि पीठाधीश्वर स्वामी कन्हैया महाराज ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक आशुतोष चंद्र त्रिपाठी, प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष गौरी शंकर सेठ, प्रदेश महासचिव अमन जायसवाल सहित संगठन के अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कृष्ण कन्हैया अग्रवाल का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत और सम्मान किया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कृष्ण कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय सचिव का दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि सनातन धर्म, राष्ट्रसेवा और समाजसेवा का संकल्प है। उन्होंने कहा कि वे गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए पहले भी समर्पित रहे हैं और आगे भी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करते रहेंगे। उन्होंने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी कन्हैया महाराज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विश्वास और मार्गदर्शन से उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। साथ ही संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और विश्वास से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा राष्ट्रहित एवं जनसेवा के कार्यों को नई गति देने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रसेवा, समाजसेवा तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

लैण्डमार्क वेलफेयर एसो. के अध्यक्ष बने मनोज कुमार सिंह

नई कार्यकारिणी का गठन, सरिता सिंह उपाध्यक्ष और जनार्दन सिंह सचिव निर्वाचित

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) द्वारा निर्मित लैण्डमार्क टावर फेस-वन, वीडीए कॉलोनी लालपुर (प्रथम चरण) स्थित पंजीकृत रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) 'लैण्डमार्क वेलफेयर एसोसिएशन' का वार्षिक चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव के साथ ही लगभग पाँच वर्षों से चली आ रही अवैध रूप से संचालित व्यवस्था का अंत हुआ और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव में कुल सात प्रत्याशी विजयी घोषित किए गए। इनमें मनोज कुमार सिंह अध्यक्ष, सरिता सिंह उपाध्यक्ष, जनार्दन सिंह सचिव, जय सिंह कोषाध्यक्ष तथा संजय कुमार सिंह, वंदना चौबे और विभा श्रीवास्तव सदस्य पद पर निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी राम सिंह ने सभी विजयी प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित टीम सोसाइटी के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ कार्य करे, जिससे सभी निवासियों का विश्वास और सहयोग बना रहे। चुनाव परिणाम घोषित होते ही पूरी सोसाइटी में उत्साह और खुशी का माहौल छा गया। निवासियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए बेहतर प्रबंधन, सुरक्षा, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं के प्रभावी संचालन की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर डी.एन. चौरसिया, संजय सिंह, जे.पी. राय, दलीप सिंह, जी.पी. अस्थाना, ओम प्रकाश सिंह, जे.पी. सिंह, आर.एन. सिंह, बिक्रमा सिंह, एस.एन. प्रसाद, गीता वर्मा सहित बड़ी संख्या में सोसाइटी के सदस्य चुनाव परिणाम घोषित होने तक उपस्थित रहे और विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दीं।

जलभराव और कीचड़ से ध्वस्त हुआ गांव का रास्ता, 10 घरों का आवागमन प्रभावित

वेलकम इंडिया/विजय द्विवेदी

प्रतापगढ़। बाबागंज विकासखंड की ग्राम सभा ऐमापुर बिंधन स्थित बहादुर का पुरवा गांव का संपर्क मार्ग जलभराव और कीचड़ के कारण बदहाल हो गया है। सड़क पर लगभग एक फीट गहरा गड्ढा बन जाने से उसमें पानी भर गया है, जिससे ग्रामीणों का आवागमन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। ग्रामीण वरुण मिश्रा, ननकू तिवारी, प्रमोद तिवारी और दुर्गेश तिवारी ने बताया कि सड़क की मरम्मत को लेकर कई बार ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव और खंड विकास अधिकारी बाबागंज से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण मार्ग पूरी तरह जर्जर हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क खराब होने से करीब 10 परिवारों का आवागमन प्रभावित है। चार पहिया वाहन गांव के बाहर राम मणि तिवारी उर्फ छोटे के घर के सामने ही खड़े करने पड़ते हैं, क्योंकि खराब रास्ते के कारण वाहन गांव के भीतर नहीं जा पाते। सोमवार को ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी बाबागंज से मार्ग की तत्काल मरम्मत कराकर आवागमन सुचारु कराने की मांग की। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी बाबागंज विजय शंकर मणि त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी और शीघ्र ही सड़क की समस्या का समाधान कराया जाएगा।

जमीनी विवाद में मारपीट का आरोप, पीड़ित ने एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। थाना मुंडापांडे क्षेत्र के ग्राम भदासना निवासी आकाश कुमार पुत्र कृष्णपाल सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को शिकायती पत्र देकर जमीनी विवाद के चलते अपने साथ मारपीट होने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायती पत्र में आकाश कुमार ने बताया कि वह चारा काटने के लिए अपने खेत की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में शीशपाल व उसका पुत्र निवासी ग्राम मुड़िया व दामाद निवासी सलेमपुर और उसके साथ में महेंद्र, ओमपाल, धर्मवीर, मलखान, रामकरण सहित करीब 10 से 12 लोगों ने उसे रोक लिया और उसके साथ मारपीट की। पीड़ित का कहना है कि घटना में उसे चोटें आई हैं। उसने आरोप लगाया कि घटना की सूचना डायल 112 पर भी दी गई, लेकिन इसके बावजूद उसे राहत नहीं मिल सकी। आकाश कुमार के अनुसार, उसने संबंधित थाना पुलिस को भी शिकायत दी थी, लेकिन उसकी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद वह एसएसपी कार्यालय पहुंचा और शिकायती पत्र देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए आरोपितों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की मांग की। मामले में लगाए गए सभी आरोप शिकायतकर्ता के हैं। पुलिस की जांच और कार्रवाई के बाद ही तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा चुर्रा सकतपुर

वेलकम इंडिया पीलीभीत

बीसलपुर/पीलीभीत। सावन मास के पहले सोमवार के पावन अवसर पर चुर्रा सकतपुर कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह होते ही क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। हाथों में पूजा की थालियां और गंगाजल लेकर पहुंचे भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन किया और शिवलिंग पर जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की।कस्बे के अलावा किशनी स्थित देवहा नदी के समीप प्राचीन शिव मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प और फल अर्पित किए। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर अपने परिवार और समाज की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। मंदिर परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा।सावन के पहले सोमवार को महिलाओं, युवाओं और बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने शिव मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और भगवान शिव के दर्शन किए। वहीं युवाओं और बच्चों ने भी पूरी श्रद्धा के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। मंदिरों में गूंज रहे ह्यहर-हर महादेवह्न, बम-बम भोले और ॐ नमः शिवाय के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिरों में स्थानीय स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। भक्तों को पूजा- अर्चना में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया गया। सुबह से लेकर देर शाम तक शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही।सावन के पहले सोमवार को चुर्रा सकतपुर और आसपास का पूरा क्षेत्र शिवभक्ति में डूबा नजर आया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक उत्साह और भक्तिमय माहौल के बीच सावन के पहले सोमवार का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

जड़ी-बूटी से इलाज का झांसा देकर जेवर उड़ाने वाला गिरफ्तार

बिलसंडा। जड़ी-बूटी से इलाज के नाम पर लोगों को झांसा देकर आभूषण चोरी करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण भी बरामद किए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। क्षेत्र के ग्राम शीतलपुर मरौरी निवासी सुखविंदर सिंह ने छह जुलाई को बिलसंडा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया कि था उसके बीमार भाई का इलाज कर रहे सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुर बिचपुरी निवासी अकीलुर्रहमान अपने दो साथियों के साथ उसके घर आया। भाई के उपचार के बहाने घर की महिलाओं के जेवरात जड़ी-बूटी से उपचार के लिए मंगवाए। इसके बाद आभूषण कमरे में रखवा दिए और परिवार के भोजन आदि कार्य में व्यस्त होते ही आरोपी कमरे में रखे जेवरात को चोरी कर ले गए थे।

बुजुर्ग सास ने बहू पर लगाया घर का ताला तोड़कर नकदी, जेवर और जनरेटर ले जाने का आरोप, एसएसपी से शिकायत

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। थाना भगतपुर क्षेत्र के फतेहपुर निवासी बुजिर्ग महिला नाजरून पत्नी कलुआ ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर अपनी बहू समेत चार लोगों पर घर का ताला तोड़कर नकदी, आभूषण और तीन जनरेटर ले जाने का आरोप लगाया है। महिला नजरुन द्वारा एस एस पी को दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार, बुजुर्ग महिला के बेटे अनवर अली का निकाह करीब छह माह पहले भोजपुर थाना क्षेत्र के चुंगावली निवासी महिला से हुआ था। आरोप है कि 31 जुलाई 2026 को जब बुजुर्ग महिला नजरुन दवाई लेने गई थीं, नजरुन का आरोप है कि उसी दौरान उसकी बहू ने अपने परिजनों के साथ मिलकर घर का ताला तोड़ दिया और घर में रखी नगदी व आभूषण एवम घर पर रखे जनरेटर लेकर चली गई। बुजुर्ग सास का कहना है कि पड़ोसियों ने उन्हें घटना की जानकारी दी। उन्होंने तत्काल 112 नंबर पर सूचना देकर पुलिस को बुलाया और थाना भगतपुर में भी शिकायत की, लेकिन आरोप है कि स्थानीय पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़िता ने एसएसपी से मामले में रिपोर्ट दर्ज कराकर अपनी बहू व उसके साथ के लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई कराने की मांग की है। नोट। यह समाचार शिकायतकर्ता द्वारा एसएसपी कार्यालय में दिए गए शिकायती पत्र में लगाए गए आरोपों पर आधारित है। मामले में पुलिस या दूसरे पक्ष का बयान अभी सामने नहीं आया है। पुलिस इस पूरे मामले में जांच कर वैधानिक कार्रवाई करेगी।

सदस्य विधान परिषद दिनेश कुमार गोयल ने महिला सुरक्षा एवं अवैध निर्माण जैसे जनहित के गंभीर मुद्दों को विधान परिषद में उठाया

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य दिनेश कुमार गोयल एवं विजय बहादुर पाठक ने विधान परिषद में प्रदेश की जनता से जुड़े दो अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जनहित के विषयों को सदन में प्रभावी ढंग से उठाते हुए सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। पहले विषय में दिनेश कुमार गोयल ने राज्य परिवहन निगम की बसों में महिलाओं की सुरक्षा हेतु लगाए गए पैनिक बटन की बदहाल स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में लगभग 5,000 बसों में करोड़ों रुपये की लागत से पैनिक बटन लगाए गए थे, किन्तु रखरखाव के अभाव में अधिकांश बसों में ये उपकरण निष्क्रिय हो चुके हैं। केवल गाजियाबाद क्षेत्र में ही लगभग 680 बसों में लगाए गए पैनिक बटन के कार्य न करने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने सरकार से तत्काल सभी बसों में पैनिक बटन की जांच कराकर उन्हें शीघ्र क्रियाशील बनाने तथा नियमित रखरखाव की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की, जिससे महिला यात्रियों की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

इसके साथ ही दिनेश गोयल ने प्रदेशभर में अवैध निमार्णों की गंभीर समस्या को भी विधान परिषद में प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि विकास प्राधिकरणों, आवास विकास परिषद एवं औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बिना स्वीकृत मानचित्र के बहुमंजिला भवन एवं व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स निर्मित हो रहे हैं, जिससे आमजन की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि अनेक स्थानों पर न्यायालयों के आदेशों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है, जिसके कारण भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। दिनेश गोयल ने सरकार से मांग की कि प्रदेशभर में अवैध निमार्णों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाकर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए तथा ऐसी इमारतों की नियमित जांच एवं निगरानी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों के जीवन एवं संपत्ति की सुरक्षा बनी रहे। दिनेश कुमार गोयल ने कहा कि जनहित, महिला सुरक्षा एवं सुरक्षित शहरी विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा जनता से जुड़े प्रत्येक महत्वपूर्ण विषय को वे निरंतर विधान परिषद में मजबूती से उठाते रहेंगे।

लायंस क्लब मोदीनगर टाउनशिप ने प्रधानाचार्य एवं मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन एवं समाज सेवा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लायंस क्लब मोदीनगर टाउनशिप द्वारा को टी.आर.एम. पब्लिक स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमती रजनी ओहरी एवं तीन मेधावी विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सबसे प्रेरणादायक विशेषता यह रही कि लायंस क्लब मोदीनगर टाउनशिप के अधिकांश सदस्य इसी टी.आर.एम. स्कूल के पूर्व छात्र हैं। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन अमित कौशिक, लायन नीरज त्यागी ने कहा कि विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक बनने का भी प्रयास करना चाहिए। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने लायंस क्लब की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूर्व छात्रों का अपने विद्यालय से जुड़ाव वर्तमान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने क्लब के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की। कार्यक्रम में लायन अमित कौशिक (अध्यक्ष), लायन गौरव गुप्ता (सचिव), लायन आशु अग्रवाल (संयुक्त सचिव), लायन दिनेश गुप्ता (कोषाध्यक्ष), लायन डॉ. अजय तोमर, लायन डॉ. विजय तोमर, लायन डॉ. संतोष मिश्रा, लायन शोभित गुप्ता, लायन रवि तोमर, लायन नीरज त्यागी एवं लायन सतीश नेहरा तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष उपस्थित रहे।

डॉ. के.एन. मोदी इंस्टीट्यूट के छात्र नेशनल इनेंसियल लिटरेसी क्विज के राष्ट्रीय ग्रैंड फिनाले के लिए चयनित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के.एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मोदीनगर के छात्रों ने नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सिक्योरिटी मार्किटस (NISM-SEBI) द्वारा आयोजित नेशनल फाइनेंसियल लिटरेसी क्विज (NFLQ) प्रतियोगिता के नई दिल्ली में आयोजित रीजनल राउंड में शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए मुंबई में होने वाले ग्रैंड फिनाले के लिए स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले के लिए देशभर के कुल 12 कॉलेजों का चयन किया गया है। इनमें डॉ. के.एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मोदीनगर का चयन संस्थान के लिए गौरव का विषय है। ग्रैंड फिनाले के लिए संस्थान के आरजू त्यागी एवं अंगद सिंह का चयन हुआ है। प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले मुंबई में आयोजित किया जाएगा, जहां देशभर से चयनित संस्थानों की टीमें अपनी प्रतिभा, तकनीकी क्षमता और नवाचार का प्रदर्शन करेंगी। छात्रों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर डॉ. डी.के. मोदी, अध्यक्ष;यू.एन. मिश्रा, रजिस्ट्रार; दीपांकर शर्मा, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर; प्रो. (डॉ.) शिशिर रस्तोगी, डायरेक्टर, KNMIET; एवं श्री अजय प्रजापति, प्लेसमेंट ऑफिसर ने आरजू त्यागी एवं अंगद सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि छात्रों की यह सफलता संस्थान में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने छात्रों को ग्रैंड फिनाले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा संस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने के लिए शुभकामनाएं दीं। कॉलेज प्रशासन एवं समस्त फैकल्टी सदस्यों ने भी चयनित छात्रों के उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन की कामना की।

कॉमनवेल्थ गेम्स से लौटी भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम का मोदीनगर में भव्य स्वागत

पदक विजेताओं का हुआ सम्मान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन कर स्वदेश लौटी भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम का मोदीनगर स्थित वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स अकादमी में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। भारतीय दल के 11 सदस्य कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने गए थे, जिनके शानदार प्रदर्शन से भारत ने कुल 8 पदक अपने नाम किए। विशेष गौरव की बात यह रही कि भारत के लिए पदक जीतने वाले चार खिलाड़ी वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स अकादमी, मोदीनगर में द्रोणाचार्य अवार्डी विजय शर्मा के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इन खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश, प्रदेश और अकादमी का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। पदक विजेता खिलाड़ीः पद्मश्री साइखोम मीराबाई चानू - स्वर्ण पदक, मुथुपांडी राजा - रजत पदक, लवप्रीत सिंह - रजत पदक, सम्मान समारोह में खिलाड़ियों का फूल-मालाओं, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया।

उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के बल पर भारत का तिरंगा विश्व मंच पर गौरवान्वित किया है। साथ ही उन्होंने द्रोणाचार्य अवार्डी विजय शर्मा के योगदान की भी मुक्त कंठ से प्रशंसा की, जिनके मार्गदर्शन में अनेक अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी तैयार हुए हैं। इस अवसर पर पद्मश्री साइखोम मीराबाई चानू ने अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अपने संघर्ष, अनुशासन एवं निरंतर मेहनत के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि 'सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अभ्यास, अनुशासन, अपने कोच पर विश्वास और देश के लिए खेलने का जुनून ही खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचाता है।'

इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जिनमें डॉ. पवन सिंघल,राम किशोर अग्रवाल (पूर्व मंत्री), शिवम गोयल (संयोजक), समाजसेवी मुकेश गर्ग, राज ढींगरा (व्यापार संगठन अध्यक्ष एवं IIA चेयरमैन) तथा अरुण वशिष्ठ और मोनू धामा,जैन स्वीट के मालिक गौरव जैन एवं उनकी सुपुत्री ओजस्वी जैन,सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, समाजसेवी एवं खिलाड़ियों के अभिभावक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों को आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स अकादमी के खिलाड़ी भविष्य में भी भारत के लिए अनेक अंतरराष्ट्रीय पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

राष्ट्रीय लोकदल (महिला प्रकोष्ठ) द्वारा तीज उत्सव का भव्य आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोकदल (महिला प्रकोष्ठ) के तत्वावधान में डी मेरिडियन होटल में तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. पूनम गर्ग के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण करवाई गई तथा उन्हें पार्टी की नीतियों एवं महिला सशक्तिकरण के उद्देश्यों से अवगत कराया गया। उपस्थित महिलाओं ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। तीज उत्सव को यादगार बनाने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महिलाओं ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां दीं, पारंपरिक गीतों पर प्रस्तुति दी तथा मनोरंजन के लिए तंबोला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि तीज केवल एक पर्व नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, महिला एकता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाना तथा उन्हें संगठन से जोड़ना है। कार्यक्रम का समापन सभी महिलाओं को तीज पर्व की शुभकामनाएं देते हुए किया गया। उपस्थित महिलाओं ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

हरियाली तीज एवं रक्षाबंधन को समर्पित एहसास महिला समिति का स्वरोजगार मेला सम्पन्न

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। हरियाली तीज एवं रक्षाबंधन के पावन अवसर पर एहसास महिला समिति की परिणीता परियोजना द्वारा मोदीनगर के छत्रीवाला मंदिर परिसर में एक दिवसीय स्वरोजगार मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ किसी विशिष्ट अतिथि के बजाय स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी महिलाओं के हाथों रिबन कटवाकर किया गया। समिति ने इस अनूठी पहल के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया कि आत्मनिर्भर महिलाएं ही महिला सशक्तिकरण की वास्तविक पहचान और समाज की सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। मेले में महिलाओं द्वारा लगाए गए हस्तनिर्मित उत्पादों, परिधानों, गृह सज्जा सामग्री, राखियों, उपहार सामग्री एवं विभिन्न खाद्य पदार्थों के स्टॉलों पर दिनभर खरीदारों एवं आगंतुकों की उत्साहपूर्ण भीड़ उमड़ी। वहीं बच्चों एवं परिवारों के मनोरंजन के लिए लगाए गए झूले भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे।

इस अवसर पर मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच, नगर पालिका परिषद के चेयरमैन विनोद वैशाली, उप जिलाधिकारी मोदीनगर कोमल पंवार, तहसीलदार मोदीनगर रजत कुमार तथा थाना प्रभारी मोदीनगर की धर्मपत्नी श्रीमती मनी मिश्रा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियां, पत्रकार बंधु, शिक्षाविद, चिकित्सक, सभासद, व्यापारी नेता, अधिवक्ता, गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों एवं महिला संगठनों के प्रतिनिधियों ने मेले में सहभागिता कर आयोजन की सराहना की।

मेले के दौरान बच्चों की नृत्य प्रतियोगिता एवं महिलाओं की विशेष डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। तीज क्वीन प्रतियोगिता में मानसी गुप्ता को तीज क्वीन तथा आंचल खुराना को ग्रेस क्वीन चुना गया। कार्यक्रम का सफल एवं आकर्षक मंच संचालन आंचल खुराना, स्वाति भोला एवं सोनाली ने किया। समिति की संस्थापक अनुप्रीत कौर,मोदीनगर इकाई की अध्यक्ष गुरमीत गुप्ता,परिणीता अध्यक्ष सृष्टि गौड़ ने कहा कि एहसास महिला समिति का उद्देश्य केवल मेले आयोजित करना नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें सम्मानजनक पहचान दिलाना है। स्वरोजगार मेले का समापन उपजिलाधिकारी मोदीनगर के द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में एहसास मोदीनगर इकाई की अध्यक्ष गुरमीत गुप्ता, परिणीता अध्यक्ष सृष्टि गौड़, वरिष्ठ पदाधिकारी सुरभि खुराना, पूजा शर्मा, अर्चना आहूजा, निर्मल, अर्चना शर्मा, सारिका, स्वाति गुप्ता, आस्था, रिद्धि, नव्या एवं युवांशी सहित पूरी एहसास महिला समिति की टीम का सराहनीय योगदान रहा। सहयोगी संस्था निष्काम सेवक जत्था समिति की ओर से सरंक्षक धीरज कालरा तथा संस्थापक जसमीत सिंह के नेतृत्व में उनकी टीम ने पूरे आयोजन के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

ऑपरेशन 'प्रहार' में पुलिस की बड़ी कामयाबी, चोरी की साजिश रच रहे चार बदमाश दबोचे

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद की स्वाट टीम ग्रामीण और थाना भोजपुर पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत संयुक्त कार्रवाई करते हुए चोरी की योजना बना रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक क्रेटा कार, एक अवैध .32 बोर की देशी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, एक .315 बोर का तमंचा तथा दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 2 अगस्त 2026 को चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मोहदसिन, शानू, शैलेन्द्र उर्फ शैली और असरफ को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान इनके कब्जे से अवैध हथियार और वाहन बरामद हुए। इस संबंध में थाना भोजपुर पर बीएनएस की संबंधित धाराओं तथा आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास और अन्य मामलों में उनकी संलिप्तता की भी जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

दादरी में भाजपा का शक्ति प्रदर्शनः बुलडोजर से हुआ स्वागत, 2027 चुनाव का फूंका बिगुल

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)। दादरी के चिटहेरा स्थित आरवी नॉर्थलैंड कॉलेज में भारतीय जनता पार्टी की 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प जनसभा' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का बुलडोजर से पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया। उनके स्वागत के लिए उमड़े जनसैलाब से कार्यक्रम स्थल के साथ-साथ आसपास की सड़कों पर भी जाम की स्थिति बन गई। दोपहर करीब 2:30 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष ने करीब ढाई घंटे तक कार्यकर्ताओं और जनसभा को संबोधित किया। सुबह 11 बजे से ही लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। आयोजकों ने सभा में 20 हजार से अधिक लोगों की मौजूदगी का दावा किया। अपने संबोधन में पंकज चौधरी ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आ'ान किया। उन्होंने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए 'अबकी बार फिर मोदी-योगी सरकार' का नारा बुलंद किया। इस अवसर पर गुर्जर समाज ने उन्हें पारंपरिक पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।# कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, सांसद डॉ. महेश शर्मा, भाजपा पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, प्रदेश मंत्री महामेघा नागर, तेजपाल नागर, दादरी एवं जेवर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, जेवर विधायक धीरेंद्र ठाकुर, नोएडा विधायक पंकज सिंह, जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, बिजेंद्र प्रमुख दादरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सावन के पहले सोमवार पर दूधेश्वरनाथ में उमड़ा आस्था का महासैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सावन के पहले सोमवार को सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। देशभर से पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान दूधेश्वर का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की।

भारी भीड़ के बावजूद मंदिर परिसर में की गई व्यापक व्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि जी महाराज ने सफल आयोजन का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश सरकार, विधायक संजीव शर्मा, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, महापौर, नगरायुक्त, सभी दूधेश्वर भक्तों तथा सेवा में जुटे 500 स्वयंसेवकों को दिया। उन्होंने सभी के सहयोग और समर्पण की सराहना की।

श्रृंगार सेवा समिति द्वारा भगवान दूधेश्वर का भव्य श्रृंगार किया गया, जबकि महंत गिरिशानंद गिरि महाराज ने धूप-दीप आरती संपन्न कराई। आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रशासन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए इसे एक सफल और दिव्य आयोजन बताया।

कांवड़ यात्रा पर ट्रैफिक का सख्त पहरा, एडीसीपी ने संभाली कमान

यात्रा मार्ग का निरीक्षण, कंट्रोल रूम का जायजा और नियम तोड़ने वाले वाहनों पर कार्रवाई

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) वरुण कुमार सिंह ने सोमवार को कांवड़ यात्रा मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीसीपी ने भारी वाहनों के लिए लागू यातायात डायवर्जन व्यवस्था का प्रभावी पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही डायवर्जन का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई भी कराई गई।

इसके अलावा श्री सिंह ने मेरठ तिराहा स्थित कांवड़ कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात संचालन, सुरक्षा तथा श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

राहुल गांधी के 'सनातनी' होने पर नया विवाद, विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने शंकराचार्य से मांगा स्पष्ट मत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी विधानसभा से विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सनातन धर्म से संबंधों को लेकर ज्योर्तिमठ (बद्रीनाथ) के शंकराचार्य पूज्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को पत्र लिखकर स्पष्ट मार्गदर्शन देने का अनुरोध किया है। इस पत्र के बाद राजनीतिक और धार्मिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है।

विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेताओं के समय-समय पर दिए गए बयान तथा गतिविधियां सनातन परंपरा के अनुरूप नहीं रही हैं। उन्होंने राम मंदिर, गो-संरक्षण, साधु-संतों से जुड़े मुद्दों सहित विभिन्न धार्मिक विषयों का उल्लेख करते हुए शंकराचार्य से राहुल गांधी के सनातनी हिंदू होने अथवा न होने के संबंध में स्पष्ट मत देने की मांग की है।

पत्र में कहा गया है कि ज्योर्तिमठ ने हमेशा धर्म, संस्कृति और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर समाज का मार्गदर्शन किया है। ऐसे में देशभर के सनातन अनुयायियों के मन में उठ रहे प्रश्नों का समाधान करने के लिए शंकराचार्य का स्पष्ट वक्तव्य आवश्यक है।

विधायक ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि शंकराचार्य के मार्गदर्शन से धर्म से जुड़े भ्रम दूर होंगे और लोग तथ्यों के आधार पर अपनी राय बना सकेंगे।

गुरु रविदास जयंती पर बृज विहार में उमड़ा आस्था का सैलाब, काशी की पावन मिट्टी वाले कलश का हुआ भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के बृज विहार मंडल द्वारा समरसता संकल्प अभियान के तहत भव्य शोभायात्रा एवं पावन कलश स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में निकली शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर श्रद्धा और उत्साह के साथ स्वागत किया गया।

गुरु रविदास जी महाराज की जन्मस्थली काशी (वाराणसी) की पावन मिट्टी से युक्त कलश यात्रा साहिबाबाद शिव मंदिर से प्रारंभ होकर झंडापुर, कड़कड़ हनुमान मंदिर, सूर्यनगर राम मंदिर और चंद्रनगर संकट मोचन हनुमान मंदिर पहुंची।

प्रत्येक स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश पूजन, पुष्पवर्षा और स्वागत-अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा महानगर उपाध्यक्ष राजन आर्य, अनुसूचित जाति मोर्चा के संयोजक वेदप्रकाश जाटव, बृज विहार मंडल अध्यक्ष नीरज रावल सहित पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल एवं सेक्टर पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु शामिल हुए। उपस्थित सभी लोगों ने गुरु रविदास जी के समरसता, समानता और सामाजिक सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

मंडल अध्यक्ष नीरज रावल ने कहा कि संत गुरु रविदास जी का जीवन मानव सेवा, सामाजिक समानता और भाईचारे का प्रेरणास्रोत है।

उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समरस एवं सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम का समापन गुरु रविदास जी के आदर्शों का अनुसरण करने तथा सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

अवैध निर्माण पर जीडीए की सख्ती, मोरटा में सीलिंग और लोहियानगर में चला बुलडोजर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निमार्णों के खिलाफ अभियान तेज करते हुए सोमवार को प्रवर्तन जोन-03 में बड़ी कार्रवाई की।

मोरटा स्थित एक अवैध निर्माण को सील कर दिया गया, जबकि लोहियानगर में अनधिकृत निर्माण पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया गया।

जीडीए के उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रभारी प्रवर्तन जोन-03 के नेतृत्व में मोरटा, मेरठ रोड स्थित खसरा संख्या-1275 के भूखंड संख्या-2 पर किए जा रहे अवैध निर्माण को उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की धारा 28(1) के तहत सील किया गया। वहीं बी-12, लोहियानगर में संजीव गर्ग द्वारा कराए जा रहे अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया।

कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध भी किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित करते हुए अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया गया। मौके पर सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-03 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा।

जीडीए ने चेतावनी दी है कि कार्य रोकने के आदेश के बाद भी यदि कोई निर्माण जारी रखता है तो उसके विरुद्ध धारा 27 एवं 28 के तहत सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि अवैध निमार्णों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कांवड़ शिविरों में सुरक्षा की 'अग्नि परीक्षा', फायर विभाग ने दिए सख्त निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अग्निशमन एवं आपात सेवा, गाजियाबाद ने सोमवार को विभिन्न कांवड़ मार्गों पर स्थापित शिविरों का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिविरों में अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया गया और संचालकों को आग से बचाव संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

फायर विभाग की टीम ने शिविर संचालकों को निर्देशित किया कि शिविरों में हर समय रेत, बालू और पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध रहे, ताकि किसी भी आकस्मिक अग्निकांड की स्थिति में तत्काल प्रारंभिक नियंत्रण किया जा सके। इसके अलावा सभी अग्निशामक यंत्र पूरी तरह कार्यशील रखने, सुरक्षित विद्युत वायरिंग सुनिश्चित करने, ओवरलोडिंग से बचने तथा गैस सिलेंडरों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने के निर्देश भी दिए गए।

विभाग ने मुख्य पंडाल को रसोई क्षेत्र से अलग रखने, किचन में अग्निशामक यंत्र, रेत और पानी की पर्याप्त व्यवस्था करने, आपातकालीन निकास मार्ग को हमेशा खुला रखने तथा ज्वलनशील सामग्री को आग और विद्युत उपकरणों से सुरक्षित दूरी पर रखने पर विशेष जोर दिया।

फायर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान सभी प्रमुख कांवड़ मार्गों और शिविरों में लगातार निरीक्षण एवं जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को न्यूनतम किया जा सके।

पावस गीत गोष्ठी में बही गीतों की रसधारा

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में आयोजित पावस गीत गोष्ठी साहित्य और संगीत के सुरों से सराबोर रही। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, रायसीना रोड में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित गीतकारों ने वर्षा, प्रकृति, भारतीय संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित अपने गीतों का भावपूर्ण पाठ किया।गोष्ठी की शुरूआत गाजियाबाद के प्रसिद्ध गीतकार डाड्ड संजीव शर्मा(पूर्वपार्षद) ने अपने प्रसिद्ध गीत 'दावा तो नही कोई,पर बात बडी होगी।हर हाल में उभरेंगे सौगात बडी होगी' से किया।।कार्यक्रम का संचालन देश के सुप्रसिद्ध गीतकार डॉ. ओंकार त्रिपाठी ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऋषि कुमार शर्मा (पूर्व उपसचिव, हिंदी अकादमी, दिल्ली) ने कहा कि गीत काव्य की अद्भुत विधा है, जिसमें भारतीय जीवन-मूल्य, संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं के दर्शन होते हैं। गीत लिखना अत्यंत दुष्कर कार्य है, इसलिए अनेक रचनाकार अन्य विधाओं की ओर चले जाते हैं। गीत जैसी विधा को जीवंत बनाए रखने के लिए युवाओं को इससे जोड़ना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि डॉ. सुशील द्विवेदी (सहायक संपादक, साहित्य अकादमी) ने कहा कि भारतीय छंद, गीत और दर्शन की महान परंपरा के उत्तराधिकारी होने के नाते आपके गीतों में भारतभूमि की गंध, उसका एकात्मबोध, उसकी भाषाएँ और छंद-विधान अनिवार्य हैं। केवल धुन और प्रस्तुति से नहीं, बल्कि मौलिक संवेदना और भारतीयता से ही प्रामाणिक गीत का सृजन संभव है। कार्यक्रम के संयोजक एवं सुप्रसिद्ध शायर-गीतकार शिवकुमार बिलगरामी ने सावन और भगवान शिव की महिमा पर आधारित अपनी चर्चित रचनाओं 'कौन दिशा में छुपा कर बैठा ओ गंगाधर पर्वतवासी' तथा 'कल्पवृक्ष की शाखाओं पर बंधे हुए हैं अनगिन धागे...' का प्रभावशाली पाठ कर श्रोताओं की खूब सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम के संचालक डॉ. ओंकार त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'जब गद्य असमर्थ हो जाता है, तब कविता जन्म लेती है और जब कविता भी अपनी अभिव्यक्ति में असमर्थ हो जाती है, तब गीत जन्म लेता है। गीत रस है, जो स्वयं रस-वर्षा करता है और समाज को रसग्राही बनाता है।' गोष्ठी में डॉ. ओंकार त्रिपाठी, शिवकुमार बिलगरामी सहित डॉ. राजीव कुमार पांडेय, विनय विक्रम सिंह 'मनकही', नेहा वैद, नीना सहर पीयूष कांति, नरेंद्र मस्ताना, डॉ. ईश्वर सिंह, डाड्ड संजीव शर्मा(पूर्व पार्षद), शोभा सचान तथा डी.पी. सिंह और शैलजा सिंह ने अपने गीतों से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। इस कार्यक्रम में उपस्थित साहित्य प्रेमी एवं गीत-रसिकों ने झूम-झूमकर गीतों का आनंद लिया। बहुत दोनों बाद दिल्ली में एक विशुद्ध गीत गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया।